दैनिक
प्रातः कालीन
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित
RNI NO-
UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 02 अंक :- 315 मुरादाबाद, 17 March 2023 (Friday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

नोबेल कमेटी के डिप्टी लीडर ने भारत को सराहा: बोले- PM मोदी इस पुरस्कार के मजबूत दावेदार

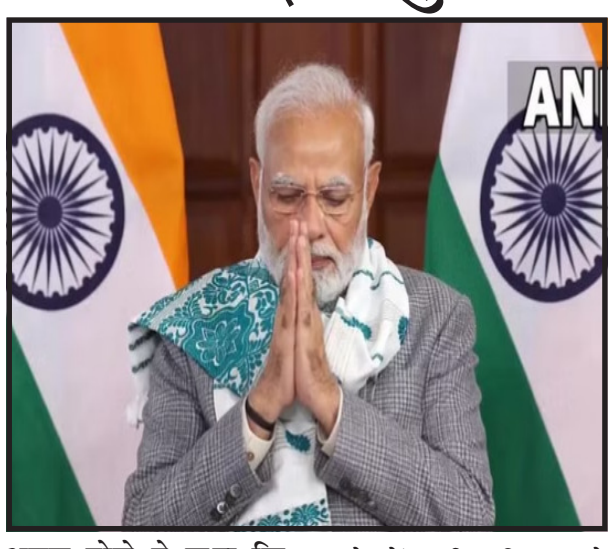

असल तोजे ने पीएम मोदी और भारत के प्रयासों की तारीफ करते हुए गुरुवार को कहा कि दुनिया को अंतरराष्ट्रीय राजनीति में इस तरह के और हस्तक्षेप की जरूरत है। उन्होंने कहा, भारत ने किसी से तेज आवाज में बात नहीं की, किसी को धमकी नहीं दी, सिर्फ दोस्ताना तरीके से अपनी स्थिति से अवगत कराया। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हमें इसकी और जरूरत है। नोबेल कमेटी के डिप्टी लीडर असल तोजे ने भारत की जमकर तारीफ की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी नोबेल शांति पुरस्कार के लिए सबसे मजबूत दावेदार बताया।

और क्या-क्या कहा?

असल तोजे ने पीएम मोदी और भारत के प्रयासों की तारीफ करते हुए गुरुवार को कहा कि दुनिया को अंतरराष्ट्रीय राजनीति में इस तरह के और हस्तक्षेप की जरूरत है। उन्होंने कहा, भारत ने किसी से तेज आवाज में बात नहीं की, किसी को धमकी नहीं दी, सिर्फ दोस्ताना तरीके से अपनी स्थिति से अवगत कराया। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हमें इसकी और जरूरत है। इसके एक दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नोबेल शांति पुरस्कार के लिए सबसे बड़े दावेदार हैं। पीएम मोदी के शासन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की नीति के कारण भारत एक समृद्ध और शक्तिशाली देश बन रहा है। विदेश नीति के विद्वान और नोबेल शांति पुरस्कार समिति के सदस्य असल तोजे अपने भारत दौरे पर हैं। मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत का एक महाशक्ति बनना तय है। असल ने आगे कहा, पीएम मोदी रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए सबसे भरोसेमंद नेता हैं और केवल वे ही शांति स्थापित कर सकते हैं।

असल तोजे ने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से रूसी राष्ट्रपति को युद्ध के बारे में समझाया, वो काबिले तारीफ है। उन्होंने बिना कोई धमकी दिए परमाणु यद्ध के परिणामों के बारे में पूरी दुनिया को समझाया दिया। हमें अंतरराष्ट्री राजनीति में इसी तरह के लीडर की जरूरत है।

असल तोजे ने

असम में किसकी हुई सबसे ज्यादा गिरफ्तारी, असम के मुख्यमंत्री ने दिया जवाब

राज्य में बाल विवाह के खिलाफ राज्य सरकार के चल रहे अभियान के दौरान धर्म को नजरअंदाज करते हुए कार्रवाई की जा रही है। सरमा ने आंकड़ा भी पेश किया। बताया कि तीन फरवरी की कार्रवाई तक मुसलमानों और हिंदुओं की गिरफ्तारी का अनुपात लगभग बराबर ही है। असम में बाल विवाह के खिलाफ सरकार ने जोरशोर से अभियान चला रखा है। बड़ी संख्या में लोगों की गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। इस बीच, सवाल उठने लगा कि राज्य सरकार ने बालविवाह के आरोपों में मुसलमानों को परेशान करना शुरू किया है। ज्यादातर गिरफ्तारियां मुसलमानों की हो रहीं हैं। इसपर अब असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने जवाब दिया है। उन्होंने बुधवार को कहा कि राज्य में बाल विवाह के खिलाफ राज्य सरकार के चल रहे अभियान के दौरान धर्म को नजरअंदाज करते हुए कार्रवाई की जा रही है। सरमा ने आंकड़ा भी पेश किया। बताया कि तीन फरवरी की कार्रवाई तक मुसलमानों और हिंदुओं की गिरफ्तारी का अनुपात लगभग बराबर ही है।

सरमा ने और क्या कहा?

असम के मुख्यमंत्री ने विधानसभा में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, मैंने अपने कुछ लोगों को भी उठाया है क्योंकि विपक्षी सदस्यों को बुरा लगेगा। तीन फरवरी की कार्रवाई के बाद से मुसलमानों और हिंदुओं की गिरफ्तारी का अनुपात 55-45 है। सरमा ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग अपराधियों के लिए रोते हैं, लेकिन 11 साल की बच्ची के लिए नहीं जो कम उम्र में ही मां बन जाती है। उन्होंने आगे कहा, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के आंकड़ों से पता चलता है कि बाल विवाह के अधिकतर मामले धुबरी और दक्षिण सलमारा (मुस्लिम-बहुल जिले) से सामने आए हैं न कि डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया से, लेकिन क्योंकि आप हर एक चीज को सांप्रदायिक बना देते हैं, इसलिए मैंने डिब्रूगढ़ एसपी को फोन करके कहा कि वहां भी ऐसे मामले मिले तो कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि असम सरकार राज्य में बाल विवाह के खिलाफ नया कानून लाने पर विचार कर रही है और राज्य सरकार का बाल विवाह के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा, हमारा रुख स्पष्ट है कि असम में बाल विवाह को रोका जाना चाहिए। हम बाल विवाह के खिलाफ एक नया अधिनियम लाने पर चर्चा कर रहे हैं। हम 2026 तक बाल विवाह के खिलाफ एक नया अधिनियम लाने की कोशिश कर रहे हैं, जहां हम जेल की अवधि को दो साल से बढ़ाकर 10 साल करने पर विचार कर रहे हैं

विवाह के उम्र को बढ़ाने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा, %बच्ची की शादी करने वाले अपराधियों के खिलाफ लोकतंत्र का रोलर जारी रहेगा। बाल विवाह के खिलाफ कानून का राज जारी रहेगा। जनसंख्या नियंत्रण कानून कांग्रेस के शासन में पारित हुआ था और हमारी सरकार अब विवाह के उम्र को 18 साल से बढ़ाकर 21 साल करमे का प्रयास कर रही है। बाल विवाह के खिलाफ बात करने की जिम्मेदारी इस सदन की है।%उन्होंने आगे कहा, अपराधियों को हर छह महीने में गिरफ्तार किया जाएगा, असम में बाल विवाह को रोकना होगा। राज्य के लोगों के पास दो विकल्प होंगे या तो मुझे यहां से हटा दें या बाल विवाह बंद कर दें, तीसरा कोई विकल्प नहीं है।

स्वरा भास्कर- फहाद अहमद के वैवाहिक समारोह में शामिल हुए अखिलेश यादव

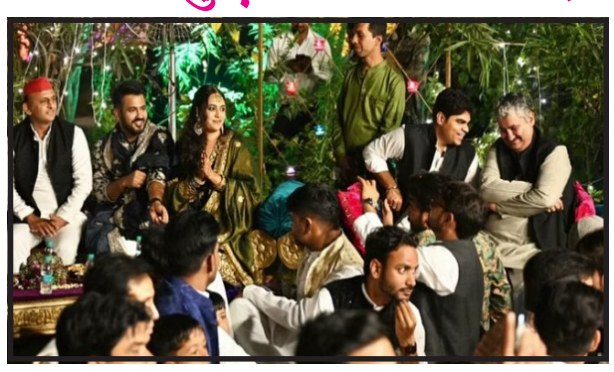

फिल्म अभिनेत्री स्वरा भास्कर और फहाद अहमद के वैवाहिक समारोह में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित फिल्म व राजीतिक जगत की कई हस्तियां शामिल हुईं। अखिलेश यादव ने अपने ट्विटर अकाउंट से तस्वीरें शेयर की और उन्हें मुबारकबाद दीं। अखिलेश यादव के साथ ही तस्वीरों में माकपा नेता सीताराम येचुरी भी नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में स्वरा और फहाद काफी खुश नजर आ रहे हैं। इस स्टार कपल की शादी के प्री-वेडिंग और वेडिंग सेलिब्रेशन्स की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं।स्वरा ने अपने कोर्ट मैरिज की जानकारी सोशल मीडिया पर दी थी। उन्होंने लिखा था, कभी-कभी आप किसी ऐसी चीज के लिए दूर-दूर तक खोज करते हैं जो आपके ठीक बगल में होती है। हम प्यार की तलाश में थे, लेकिन हमें पहले दोस्ती मिली और फिर हमने एक दूसरे को पाया। मेरे दिल में आपका स्वागत है फहाद अहमद। यहां बहुत शोर है पर यह तुम्हारा है! फहाद व स्वरा ने 16 फरवरी को कोर्ट मैरिज की थी। समारोह में स्वरा व फहाद के नजदीकी रिश्तेदार व दोस्त शामिल हुए।स्वरा और फहाद के विवाह सोशल मीडिया पर बयानों के कारण चर्चा में रहा है। राजनीति व धर्म से जुड़े कई लोगों ने इस पर बयान दिए थे। सोशल मीडिया वैवाहिक कार्यक्रमों की तस्वीरें जमकर वायरल हुई थीं।

कोल्ड स्टोर की छत ढही, 20 से 25 लोगों के दबे होने की आशंका

संभल के चंदौसी स्थित इस्लाम नगर रोड पर आलू से भरे आर कोल्ड स्टोर की छत अचानक गिर पड़ी। छत के मलबे और आलू के नीचे, वहां काम कर रहे 20-25 मजदूरों के दबने की आशंका है। मौके पर करीब 8 जेसीबी मलवा हटाने में लगी हैं। आसपास लोगों की भारी भीड़ लगी है। डीएम-एसपी मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य कराने में लगे हैं।

पांच मजदूर निकाले गए

चंदौसी के इस्लामनगर कोल्ड स्टोर के मलबे के नीचे दबे पांच मजदूरों को मलबे से बाहर निकाल लिया गया है। मलबा हटाने का काम अभी जारी है। बाहर निकले मजदूरों में किशोरी 26 साल, भूरे 26 साल निवासी गांव एतोल, राम मोहन 32 साल निवासी कैथल, प्रेम 30 साल निवासी कै थल, मनोज 28 साल निवासी गांव बर्राई शामिल हैं।

आलू भरने के दौरान हुआ हादसा

चंदौसी में इस्लाम नगर रोड पर एआर कोल्ड स्टोर में रैक

बनाकर आलू भरा जा रहा था। रैक ओवरलोड होने के कारण गिर पड़ी। उसके साथ कोल्ड स्टोर की छत भी नीचे आ गिरी। आलू व छत के मलबे में करीब 20 से 25 मजदूरों के दबने की आशंका है। घटना से आक्रोशित लोगों ने कोल्ड स्टोर के केबिन में तोड़फोड़ की। सूचना पर प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया। करीब 8 जेसीबी को मलबा हटाने के लिए लगाया गया है। इस दौरान लोगों की पुलिस प्रशासन से नोकझोंक भी हुई। स्थानीय लोग भी मलबा हटाने में लगे हुए हैं। बचाव कार्य के लिए फायर कर्मचारी, स्वास्थ्य विभाग के एंबुलेंस व अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

कर्मचारियों ने बंद की अमोनिया गैस

कोल्ड स्टोर में हादसे के बाद अमोनिया गैस का रिसाव होने लगा था। मौके पर पहुंचे अग्निशमन अधिकारी व कर्मचारी मास पहन कर अंदर घुस गए और रिसाव हो रही अमोनिया गैस को बंद किया।

ग्रामीणों ने एक मजदूर को सकुशल निकाला

जेसीबी द्वारा मलबा धीमी गति से हटाए जाने को लेकर ग्रामीणों व मजदूरों के परिजन आक्रोशित हो उठे। इस दौरान वह खुद ही मलबे के ऊपर चढ़ गए और वहां से बोरियां हटानी शुरू कर दी। इसके बाद किनारे पर दबे एक मजदूर को उन्होंने सकुशल निकाल लिया। उसे वहां से सीएचसी भेज दिया गया है। उसके मामूली खरोंच थी।घटना से आक्रोशित लोगों ने कोल्ड स्टोर के केबिन में तोड़फोड़ की। सूचना पर प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया। करीब 8 जेसीबी को मलबा हटाने के लिए लगाया गया है।

जनता की अदालत में एलडीए अफसर ने बुजुर्ग फरियादी को जड़ा थप्पड़, गाल के पास मांस फटा

एलडीए की जनता की अदालत में अपनी फरियाद लेकर आए एक बुजुर्ग को एक अधिकारी ने थप्पड़ मार दिया। इससे बुजुर्ग जख्मी हो गया। मामले को देखते हुए अधिकारी फरार हो गया। एलडीए की जनता अदालत में बृहस्पतिवार को ऐशबाग निवासी बुजुर्ग मुकेश शर्मा को थप्पड़ मार दिया जिससे उसके कान से खून निकल आया। बुजुर्ग के अनुसार वह पिछले करीब 19 साल से अपने मकान पर कब्जे को लेकर एलडीए में संघर्ष कर रहा है। इसके बावजूद उसको न्याय नहीं मिल रहा है। इस पर वह एलडीए की जनता अदालत में अपनी फरियाद लेकर आया था। अधिकारियों से जब वह अपनी बात कर रहा था तो इस मौके पर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। एलडीए के विशेष कार्य अधिकारी डीके सिंह ने उसको एक जोरदार थप्पड़ मार दिया। इससे उसका चश्मा छिटक कर दूर गिरा। गाल के पास मांस फट गया और खून बहने लगा। शोरशराबा होने पर उपाध्यक्ष इंद्रमणि त्रिपाठी मौके पर पहुंचे और उन्होंने बुजुर्ग की बात सुनी। इस बीच डीके सिंह मौके से फरार हो गया। अधिकारियों का कहना है कि बुजुर्ग भी उनसे बदसलूकी कर रहा था। इस मामले में मौके पर तैनात गोमतीनगर पुलिस ने बुजुर्ग की तहरीर लेकर डीके सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने फिर दिया विवादास्पद बयान, बोले- सरकार का निर्णय 97% हिंदुओं को आहत करने वाला

सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने बृहस्पतिवार को ट्वीट कर सरकारी खर्चे पर सुंदरकांड का पाठ कराए जाने के फैसले पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला हिंदू समाज के 97 प्रतिशत हिंदू समाज की भावनाओं को आहत करने वाला है। समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर रामचरितमानस पर विवादित बयान दिया है। उन्होंने बृहस्पतिवार को ट्वीट कर कहा कि ढोल, गवार, शुद, पशु, नारी। सकल ताड़ना के अधिकारी।। उसी सुंदरकांड का हिस्सा, जिसका सरकार ने पाठ कराने का निर्णय लिया है यानी सरकार का यह निर्णय महिलाओं व शूद्र समाज को प्रताड़ित व अपमानित करने वाले तीन प्रतिशत लोगों का बढ़ावा देने एवं 97 प्रतिशत हिंदू समाज के भावनाओं को आहत करने वाला है। ढोल, गवार, शुद, पशु, नारी। सकल ताड़ना के अधिकारी।। उसी सुंदरकांड का हिस्सा, जिसका सरकार ने पाठ कराने का निर्णय लिया है यानी सरकार का यह निर्णय महिलाओं व शूद्र समाज को प्रताड़ित व अपमानित करने वाले 3त्न लोगों का बढ़ावा देने एवं 97त्न हिंदू समाज के भावनाओं को आहत करने वाला है। योगी सरकार ने प्रदेश के सभी जिलों में सुंदरकांड का पाठ करवाने का निर्णय लिया है। इसके लिए सभी जिलाधिकारियों को प्रदेश सरकार की तरफ से आर्थिक सहायता भी दी जाएगी। इसके पहले उन्होंने मैनपुरी में भी सरकारी खर्चे पर धार्मिक आयोजन को लेकर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने कहा था कि ये देश सबका है। विभिन्न धर्मों, जातियों के लोगों ने आजादी के लिए शहादत दी है। ऐसे में धर्म विशेष को बढ़ावा देकर सरकार संविधान का उल्लंघन कर रही है। उन्होंने कहा कि हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं और सभी धर्मों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

संपादकीय Editorial

Homosexuality before the constitution

There is a matter of interpretation of human, sexual, natural relations before a five-judge constitution bench. More than a dozen petitions are pending, which contain requests to give 'legal recognition' to same-sex relationships. The Government of India has opposed homosexuality and such marriages in its 56-page affidavit. The issue has also been argued to remain within the purview of Parliament. The Parliament will hold a comprehensive discussion on the sociality, privacy, naturalness and naturalness of these relations and then pass the law. The government is considering the court bench and the hearing of this issue as an attempt to interfere in the jurisdiction of the Parliament. In fact, in Indian civilization and culture, marriage is a sacred rite, a social-mental union of a man and a woman of the opposite sex, and through progeny, there is a thought and effort to maintain this world continuously. Distortions can occur at many levels. It can be physical, mental, pregnant etc., but till now the system which is recognized in society and law, why should it be violated? Why such encroachment is necessary, which is not even natural. In a significant, almost historic, judgment on September 6, 2018, the Supreme Court had declared Section 377(1) 'decriminalised', terming same-sex relationships as an 'unnatural offence'. The LGBT community, which termed that decision as a historic victory for its privacy, sexuality, naturalness, includes women-female relations, male-male relations, transgender, queer, intersex, bisexual, asexual, etc. attitudes. There is an absence of social ideals of the opposite sex in these people. This social group is typical in India, which also includes 'Hijras'. They are also called 'Third Gender'. In fact, by giving some rare examples of ancient texts, Puranas etc., a logical demand is being made that same-sex relationships should also be given legal recognition, so that they are not considered 'anti-social' and 'disgusting' in the society, workplace, everyday life. It is mentioned in the 'Bhagavada Purana' that Lord Shiva saw Lord Vishnu in the form of Mohini and their union resulted in the birth of Lord Ayyappa. The famous characters of Shikhandini and Brihannala are the most respected transgender characters of 'Mahabharata'. In 'Valmiki Ramayana' King Bhagirath was born from the union of his two mothers and the widows of King Dilipa with the blessings of Lord Shiva. Actually these are mythological stories, the common man does not have those supernatural and divine powers, so their examples are also redundant. Even after the adoption of the constitution in India, homosexual relations were considered a 'criminal act'. In India, marriage has the status of a sacred institution and the union of a man and a woman is accepted as legal, social and as a family unit. Our argument may seem strange, but it is a universal truth that animals and animals also have a natural attraction towards the opposite sex. There is a complete absence of homosexual relationships in them. However, the petitions are in the Supreme Court.

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

upheaval in Pakistan; For the first time supporters of a political party are openly criticizing the army, not a normal development

Along with economic plight, Pakistan is also moving towards political plight. It is clearly visible that as the public support of Imran Khan is increasing, the efforts to oust him from the race for power in the elections to be held this year are also intensifying. The manner in which the police and army personnel who arrived had to retrace their steps, due to which the Shehbaz Sharif government was also in trouble. Along with this it also became clear that the new army chief of Pakistan also wants to see Imran Khan punished. Now it will not be surprising if the process of cursing the army chief on behalf of Imran Khan and his supporters intensifies. This is the first time in Pakistan that supporters of any political party are openly criticizing their own army. This is not a normal development for Pakistan. Such a development can lead to abnormal situations for Pakistan, which is already suffering from economic crisis. Along with economic plight, Pakistan is also moving towards political plight. It is clearly visible that as the public support of Imran Khan is increasing, the efforts to oust him from the race for power in the elections to be held this year are also intensifying. In this effort, the army is also involved, which once brought him to power through deceit. Imran Khan has definitely got immediate relief from the Islamabad High Court, but if the warrant for his arrest is not cancelled, then his There may be fresh clashes between the supporters and the police-army. Since Imran Khan is not ready to surrender his arrest, this confrontation could turn more violent. It cannot be ignored that many people from both the sides were injured in last day's clash. If the political conflict increases in Pakistan, then the risk of its economic instability will also increase. Since Pakistan, which is facing crisis on the political and economic front, can create new threats for India, it needs to be careful. This need has increased because even after facing many problems, Pakistan is not desisting from infiltrating terrorists in Kashmir. He is doing mischief in Kashmir as well as in Punjab. He is engaged in sending arms and drugs to Punjab. This means that he is not ready to give up his policy of destabilizing India even at a time when it is surrounded by deep crisis. It is clear that there is a need not only to keep an eye on the deteriorating condition of Pakistan, but also to be careful about it. More so, because the danger of Pakistan's bankruptcy is not yet over and a bankrupt and policy level neighboring nation which nurtures many terrorist groups can become a big threat to India.

Bhopal Gas Tragedy: Bhopal gas victims feel cheated

The Center had said in its petition that the court should order the multinational company (formerly Union Carbide and now Dow Chemicals) to pay an additional compensation of Rs 7844 crore to the gas victims. However, even after this decision, the organizations working for the gas victims have not given up, but the chances of getting further relief are slim. The decision of the Supreme Court has dashed the hopes of getting more compensation to the gas victims of Bhopal, the world's worst industrial tragedy. He is once again feeling cheated. The Constitution Bench of the Supreme Court rejected the petition filed 15 years ago in the Supreme Court regarding the change of circumstances by the central government in relation to providing more compensation to the victims of the Bhopal gas tragedy, saying that the gas victims should already be given 6 times more compensation. Center's petition- The Center had said in its petition that the court should order the multinational company (formerly Union Carbide and now Dow Chemicals) to pay an additional compensation of Rs 7844 crore to the gas victims. However, even after this decision, the organizations working for the gas victims have not given up, but the chances of getting further relief are slim. ds of people - Significantly, the Bhopal gas tragedy took place on the intervening night of 2 and 3 December 1984 in the form of leakage of methyl isocyanate gas from the pesticide plant of the then Union Carbide Company. People could not understand what was happening. This gas spread rapidly with the air and thousands of people died due to its entering the lungs. Hundreds of people died due to its after effect. Still many people are struggling with the ill effects of poisonous gas. However, the official death toll in the gas tragedy is 3500 people. But in reality the death toll is said to be four times more. After this accident, many public organizations opened a front for holding the multinational company responsible for this, punishing the culprits and proper treatment and rehabilitation of the victims. The matter went to court and the district court, in its landmark judgment, ordered Union Carbide to pay compensation of $470 million (Rs 715 crore in Indian rupees at the current rate) to the Government of India, which was to be distributed to the gas victims. According to this, if the case continues in the court, Rs. 200 will be given to the gas victims. Interim relief of one month was also given till the claims for compensation are finalized. In the meanwhile the rates of compensation fixed were less than the expected compensation. On the contrary, many cases of taking compensation by many fake people also came to the fore. In any case, the compensation awards were passed by the Gas Claims Courts at the rates fixed. Bad effects till the next generation- On the other hand, the number of gas victims kept on increasing. Many became permanently crippled, and in many cases its ill-effects came to the fore in the next generation as well. As per the decision of the court, separate hospitals were opened in Bhopal for the gas victims, most of which are now in a dilapidated condition. There have been repeated voices from the gas victims that the compensation given under the settlement between Union Carbide and the Government of India is inadequate and their problems are complex and multi-faceted. Under this, the UPA 2 government headed by Dr. Manmohan Singh filed a curative (corrective) petition in the Supreme Court in 2010 demanding an additional compensation of Rs 7 thousand 844 crore from the multinational company Dow Chemicals to the gas victims.

Morning administrative walk

Evidence of attendance in the court of mandate, morning sun, evening new morning sun. The government being always ready in the mood of the mandate, changes all the distances and all the roads. Government character can change in the refuge of the public in the simplicity of power. In Himachal, there has also been an account of the deteriorating images of the heads of the governments, and there has been opposition to this style in the opposition. It is obvious that with the stormy intentions with which Chief Minister Sukhwinder Sukhu has thrown his dice to be decisive by putting his hand in the opposition's den, the BJP has come out on the streets in front of it. On the other hand, Sukhu has filled soulful steps with the government's walk on the road of opposition's anger. The Chief Minister's outing on the Mall Road of Shimla is the morning of such messages, which take power on a journey of simplicity. If this becomes a declared walk instead of a formal walk, then the administration can also come on the road and see its flaws. The state always needs such a Chief Minister, who gets down on the road and knows the temperature of the road, but for some time now we are considering the flight of Chief Ministers as an evergreen ride of a helicopter. The relationship of the Chief Ministers with the road not only shows the pulse of Himachal, but also shows the priorities of the government. We have written many times before in these columns that if the Chief Minister visits Himachal's morning on the pretext of morning walk in many cities of the state throughout the year, then the bells of the secretariat will ring. Undoubtedly, a trip to Shimla elevates the personality of Sukhwinder Sukhu in the company of common man with the practice of simplicity, but the habit of such a trip can create morning of every administrative, religious and major city. If the morning walk fulfills the administrative needs, then every road will advocate for development. More or less, the governments may be seen among the public in the court of power in Shimla, but if the government has to assimilate the whole of Himachal, then it will have to keep its feet on that land, which is not visible from the capital. The distance of Shimla, which is marked for every Chief Minister, has been overcome only by walking on foot in the whole of Himachal. To see Kangra, Hamirpur, Una, Chamba, Mandi or Kullu properly from Shimla, every Chief Minister has had to visit the lower areas. This has developed an architecture of politics. We may look at it from a different point of view, but the winter sojourn initiated by Virbhadra Singh has actually created an imperative to measure the sensibilities of lower Himachal. The assembly complex at Tapovan measures the steps that Shimla has taken out of power. Feel the effect of lower Himachal. The morning walk of the present Chief Minister is giving a similar message, so it will have to be embellished throughout Himachal's walk. If the Chief Minister selects one city or important place of Himachal every month and measures it through 'morning walk', then all the departments will be investigated. The public wants to say a lot directly to their public representatives, but the walls of the administrative structure or the darkness of the political tables neither allow them to hear nor see. By law, if the Chief Minister spends one day in a medical college, then it will be known as the first information that how gruesome is the internal system of such institutions. The author of this column has come across several stories of Tanda Medical College, where instead of discharging its responsibilities, patients were sent out so that they either die on their way back home or die on the way to PGI, forcing the TMC to remain white-collar. Keep it in good faith. While taking a morning walk, the Chief Minister can see in any part of Himachal how many vehicles are coming from outside states carrying milk, bread, vegetables, poultry or mineral water. Neighboring states are enjoying the real joy of Himachal's morning and this is the demand-supply deficit, on which there should be a debate. There should be a debate as to how the neighboring states are meeting the demand of our milk supply despite the continuous losses of the Milk Federation. Our Animal Husbandry Department is showing the status of our Animal Husbandry Department by importing trucks full of toori in the morning itself, while sand-gravel is being smuggled out of the pits. While taking a morning walk, the entire state should honestly think that how many wounds are being created around us, through us.

TMU के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे मुख्यमंत्री, तैयारियों का प्रशासनिक अधिकारियों ने लिया जायजा

मुरादाबाद- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को मुरादाबाद के तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वह लखनऊ एयरपोर्ट से राजकीय विमान से मूंढापांडे हवाई अड्डे पर उतरेंगे। यहां से चापर से टीएमयू में बने हेलीपैड पर उतरकर दीक्षांत समारोह में शामिल होकर मेधावियों को उपाधि और सम्मान पत्र देकर संबोधन करेंगे। मुख्यमंत्री के ढाई घंटे के कार्यक्रम को देखते हुए जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना, अपर जिलाधिकारी आदि ने कार्यक्रम स्थल पर आकर व्यवस्था का जायजा लिया और उनके प्रोटोकॉल के अनुरूप तैयारियों को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने मूंढापांडे हवाई अड्डे पर भी निरीक्षण कर उनके राजकीय विमान के उतरने और वापसी में उड़ान भरने के सभी प्रबंधों और सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। जिला प्रशासन के अनुसार, मुख्यमंत्री शुक्रवार की सुबह 10.40 बजे लखनऊ एयरपोर्ट से राजकीय विमान से मूंढापांडे एयरपोर्ट पर आएंगे। 11.25 बजे मुख्यमंत्री मूंढापांडे से चलकर 11.35 बजे तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय परिसर में बने हैलीपैड पर उतरेंगे। 11.45 बजे मुख्यमंत्री दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। एक बजकर 45 मिनट तक यहां रहने के बाद 1.55 बजे मुख्यमंत्री हेलीकाप्टर से मूंढापांडे एयरपोर्ट लौटेंगे। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के टीएमयू के दीक्षांत समारोह में आने को देखते हुए सभी तैयारियां पूरी करा ली गई हैं। शाम को रिहर्सल में इसका पूर्वाभ्यास कराया जा रहा है। जिला और पुलिस प्रशासन टीएमयू प्रबंधन से समन्वय कर पूरी तरह तैयार है।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन, जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मुरादाबाद- विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नवरात्रों के पर्व पर मंदिरों में सुरक्षा, साफ सफाई एवं मंदिरों के पास मांस, मदिरा की दुकानों को बंद कराने के साथ अपनी अन्य मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। साथ ही एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। कार्यकर्ताओं का कहना है कि नवरात्रों का पर्व हिंदू समाज के लिए आस्था एवं भक्ति का पर्व है, जिसमें समाज का हर वर्ग व आयु का व्यक्ति मां दुर्गा की पूजा अर्चना करता है एवं मंदिरों में जाकर भगवान की भक्ति करता है। ऐसे में मंदिरों के पास मांस, मदिरा की दुकानें खुलना हिंदू श्रद्धालुओं की भावनाओं को चोट पहुंचाना है ज्ञापन के माध्यम से कार्यकर्ताओं की मांग है कि नवरात्रि पर्व पर महानगर के सभी मंदिरों में श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा एवं साफ सफाई की पूर्ण रूप से व्यवस्था की जाए, मंदिरों के पास से लगभग 200 मीटर की दूरी तक किसी तरह की कोई मांस, मदिरा की दुकान ना खोली जाए और नवरात्रो के पर बिजली पानी की व्यवस्था सुचारू रूप से की जाए। ताकि मंदिर में जाते वक्त श्रद्धालुओं को किसी तरह की कोई परेशानी ना हो। ज्ञापन देने वालों में महानगर अध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता, शुभम देशभक्त, रजत ठाकुर, राजीव ठाकुर, राजू सैनी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिजली कर्मियों के कार्य बहिष्कार से काम ठप, 72 घंटे हड़ताल का किया ऐलान

मुरादाबाद- समझौते के बाद भी 14 सूत्रीय मांग पूरी न होने के विरोध में बिजली विभाग के कर्मचारी और अभियंताओं ने दूसरे दिन भी कार्य बहिष्कार जारी रखा। मुख्य अभियंता कार्यालय पर धरने और सभा में अपने हक के लिए आवाज उठाई। आज रात दस बजे से कर्मचारियों और अभियंताओं ने हड़ताल पर जाने की बात दोहराई। इसे एकजुटता से सफल बनाने का आह्वान किया। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के जिला संयोजक दिनेश कुमार, सह संयोजक हुकुम सिंह राणा, अध्यक्ष उमेश कुमार ने बताया कि 14 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन किया गया है। रात 10 बजे के बाद 72 घंटे की हड़ताल रहेगी। सभा को अधिशासी अभियंता पारेषण पूरन सिंह, उपखंड अधिकारी उमाशंकर सक्सेना, अनूप कुमार मिश्रा, गौरव प्रकाश, प्रशांत कुमार, अतुल कुमार, अवर अभियंता प्रदीप कुमार, शिव कुमार मौर्य, शुभम पांडेय, कुमार वैभव, तिलकधारी, कौसर अली, राहुल शर्मा, महेंद्र सिंह, अनुज कुमार शर्मा आदि ने भी संबोधित किया। इस दौरान विद्युत पेंशनर्स परिषद के अध्यक्ष पीके कपूर, सचिव एसपी सिंह, कोषाध्यक्ष सुशील कुमार, रामचंद्र आदि ने कार्य बहिष्कार और हड़ताल का पूर्ण रूप से समर्थन कर मनोबल बढ़ाया।

मंत्री जी! दरियापुर में कब पूरा होगा उम्मीदों का पुल

मुरादाबाद- जिले के प्रभारी व प्रदेश के लोक निर्माण विभाग के मंत्री जितिन प्रसाद ने कांठ विधानसभा क्षेत्र से जुड़े दरियापुर के लोगों को खुशी दी है। उन्होंने बूढ़ी रामगंगा नदी पर 600 मीटर लंबा पुल बनाने की सैद्धांतिक सहमति दी है। बजट स्वीकृति होने में देर से उम्मीदों के पुल का निर्माण नहीं हो पा रहा है। जिले की कांठ विधानसभा क्षेत्र में दरियापुर गांव के लोगों को लंबे समय से पुल बनने की आस है। इस गांव के 3000 लोगों को आज भी इसके बनने का इंतजार है। अभी छात्र-छात्राओं को नदी पार कर स्कूल जाना पड़ता है। जिला मुख्यालय और पड़ोसी जिले बिजनौर के स्योहारा से सीधे यहां के लोग जुड़ जाएंगे। हालांकि जिले के प्रभारी व लोक निर्माण विभाग के मंत्री ने इस गांव के लोगों की सुविधा के लिए पुल बनाने के लिए सैद्धांतिक सहमति दे दी है। अब इसको शासन से मंजूरी मिलने का इंतजार है। गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में आने पर उनके सामने पुल और सड़क बनाने का मुद्दा उठ चुका है। जिस पर उन्होंने अधिकारियों से बात कर दरियापुर के पुल को सेतु निगम की कार्ययोजना में शामिल करा दिया था। जिससे पुल बनने का रास्ता साफ हो गया है। सांसद आदर्श योजना के तहत दरियापुर गांव को गोद लेने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य सैयद जफर इस्लाम ने गांव में विकास कार्य कराए हैं। लोक निर्माण विभाग के मंत्री के एपीएस राकेश पांडेय का कहना है कि इसका प्रस्ताव है। मंत्री ने इसके लिए कदम बढ़ाया है। उम्मीद है जल्द ही शासन में इसकी मंजूरी मिल जाएगी। जिससे इस क्षेत्र के लोगों को आसानी होगी। लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता का कहना है कि रामगंगा पर 600 मीटर लंबा पुल बनाने का प्रस्ताव भेजा गया है। प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है। लेकिन, अभी यह मंजूर नहीं हुआ है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी कर चुके हैं सिफारिश

पुल निर्माण के लिए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी भी लोक निर्माण विभाग के मंत्री को पिछले साल 22 नवंबर को पत्र लिख चुके हैं। पत्र में उन्होंने बताया था कि आजादी के बाद से अब तक इस गांव को जाने के लिए पक्का रास्ता नहीं है। इसके बाद भी अभी तक न तो सड़क बननी शुरू हुई और न ही पुल। बिजनौर के भगवानपुर रैनी से दरियापुर के कच्चा रास्ते को पक्का बनवाया जाएगा। बूढ़ी रामगंगा नदी पर 600 मीटर लंबा पुल बनाने का प्रस्ताव गया है, अभी स्वीकृति नहीं हो पाई है। -संजीव कुमार सैनी, अधिशासी अभियंता, प्रांतीय खंड, लोनिवि

वाह री पुलिस, आरोपी एक और कहानी कई

मुरादाबाद- रस्सी को भी सांप बनाने की पुलिसिया कहानी यहां चरितार्थ हुई है। चौकी प्रभारी ने कायदा-कानून ताक पर रखकर एक सटोरिए को नशे का तस्कर बना दिया। यानी कि एक आरोपी की गिरफ्तारी की तीन कहानी फिलहाल यहां सुर्खियों में है। चौकी प्रभारी के कारगुजारी से सटोरिए के परिजन ही नहीं, बल्कि महकमे के अधिकारी भी हलकान हैं। महानगर में तैनात एक चौकी प्रभारी ने मंगलवार देर रात संबंधित थाने में बतौर वादी तहरीर दी। बताया कि शाम करीब सात बजे उन्हें सूचना मिली कि एक व्यक्ति उनके क्षेत्र में खाईबाड़ी कर रहा है। दो कांस्टेबल के साथ वह मौके पर पहुंचे। चौकी प्रभारी ने 30 वर्षीय युवक को दबोच लिया। तलाशी के पूर्व चौकी प्रभारी ने युवक से कहा कि वह मजिस्ट्रेट के समक्ष अपनी तलाशी करा सकता है। युवक ने राजपत्रित अधिकारियों की बजाय उस पुलिस से तलाशी कराने पर सहमति जताई, जिसने उसे दबोचा था। तब पुलिस व युवक के अलावा मौके पर कोई अन्य व्यक्ति भी मौजूद नहीं था। पूर्व की तरह क्षेत्राधिकारी को मोबाइल फोन पर घटना की जानकारी देने की कोशिश की। अफसोस, सीओ के सीयूजी नंबर पर एक बार फिर चौकी प्रभारी का संपर्क नहीं हो सका। आरोप है कि चौकी प्रभारी ने संदिग्ध के पैंट जेब से प्लास्टिक की एक थैली निकाल ली। उसमें 15 ग्राम स्मैक मिला। जबकि दूसरी जेब से सट्टे की पर्ची बरामद हुई। नशीले पदार्थ की तस्करी व सट्टे के आरोप में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के दावे के आधार पर बुधवार को आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

यह बात कह रहे हैं आरोपी के परिजन

पकड़े गए आरोपी के परिजनों की कहानी दरोगा जी से अलग है। परिजनों कहते हैं कि आरोपी के पकड़े जाने के कुछ ही देर बाद एक कांस्टेबल ने उनसे संपर्क साधा। लेकिन देर होने की वजह से पुलिस की थ्योरी में सट्टे के साथ ही 15 ग्राम स्मैक भी जुड़ चुका था।

रकम लेकर रहम बांटना चर्चा में

क्षेत्र में रकम के बदले रहम बांटने का खेल पुराना है। कई चौकी प्रभारी अधिकारियों की कार्रवाई के शिकार भी हो चुके हैं। फिर भी दरोगा जी पर कोई फर्क नहीं। सूत्र बताते हैं कि मंगलवार को ही दिन में उन्होंने शागिर्दों की मदद से एक ही परिवार के तीन सदस्यों को गांजा बेचने के आरोप में दबोचा। तीनों आरोपी नतमस्तक हो गए। बाद दरोगाजी ने तीनों को अभयदान दे दिया।

उत्तर रेलवे मजदूर यूनियन ने रेलवे स्टेशन पर किया प्रदर्शन, कहा- जल्द से जल्द बहाल हो पुरानी पेंशन

मुरादाबाद- पुरानी पेंशन योजना बहाली सहित 14 मांगों को लेकर उत्तर रेलवे मजदूर यूनियन द्वारा 2 मार्च से 2 अप्रैल तक चलाए जा रहे आंदोलन के तहत गुरुवार को उरमू के मंडल मंत्री चलो सिंह के आह्वान पर रेलवे कर्मचारियों ने रेलवे स्टेशन पर धरना दिया। धरने पर रेलवे कर्मचारियों ने कहा की पुरानी पेंशन योजना को जल्द से जल्द बहाल किया जाए। इसके अलावा अन्य 14 मांगों को लेकर रेलवे कर्मचारियों ने अपना विरोध जताया। धरने की अध्यक्षता शेखर ठाकुर की और संचालन आकाश कुमार द्वारा किया गया। इस मौके पर संदीप कुमार, जोगिंदर पाल सिंह, महेंद्र कुमार, संजय रामकिशोर, गुरुदेव सिंह और हरपाल सिंह शामिल रहे।

टिकट पाने को दलों के दिग्गजों की हो रही गणेश परिक्रमा

मुरादाबाद- नगर निकाय चुनाव की तारीखों का एलान भले ही अभी नहीं हुआ है, लेकिन टिकट पाने को एक बार फिर जोड़तोड़ शुरू हो गई है। वार्डों के पार्षद से लेकर महापौर और नगर पंचायत के अध्यक्ष आदि का टिकट पाने को दिग्गजों की गणेश परिक्रमा हो रही है। पहले के आवेदनों पर अब नये सिरे से विचार होगा। वहीं, पिछड़ा वर्ग को लाभ देते हुए आरक्षण भी नये सिरे से जारी होने के बाद ही स्थिति साफ होगी। अप्रैल-मई में संभावित नगर निकाय चुनाव की तैयारी में जहां एक तरफ प्रशासनिक अधिकारी लग गए हैं, वहीं राजनीतिक दलों में भी हलचल तेज है। टिकट पाने की चाह रखने वाले भावी प्रत्याशी अपने दल के दिग्गजों की परिक्रमा कर रहे हैं। भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के स्थानीय होने के चलते उनके पास भी सिफारिशों की लंबी फेहरिस्त है। जबकि सपा, कांग्रेस, और बसपा में मंडलीय और राज्य नेतृत्व की ओर टकटकी लगी है। अक्टूबर-नवंबर में आरक्षण के पेच में फंसे नगर निकाय चुनाव की हलचल तेज होने से पार्टियों के कार्यालय में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आने जाने का क्रम बढ़ गया है। वहीं, वार्डों में होली के बाद अब नवरात्र की शुभकामना के बैनर, होर्डिंग्स और पंपलेट्स के माध्यम से अपने लिए माहौल बनाया जा रहा है। महिला सीट पर वहां परिवार के राजनीतिक चेहरे द्वारा मां, पत्नी या बहन को चुनाव लड़ाने के लिए पोस्टर लगाए गए हैं। जिसमें अपने फोटो के साथ संभावित प्रत्याशी के रिश्ते को दर्शाकर समर्थन मांगा जा रहा है। पार्टियों के युवा फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारी भी किस्मत आजमाने के लिए टिकट लेने की जुगत में लगे हैं। दस मार्च को मतदाता सूची प्रकाशित कर नये मतदाताओं को जोड़ने के लिए 11 मार्च से प्रक्रिया चल रही है, जो 17 तक चलेगी। एक अप्रैल को अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद मतदाताओं की संख्या साफ हो जाएगी। जो अपने वार्ड और शहर का सिरमौर चुनेंगे। भावी प्रत्याशी भी अपने वार्डों में नये मतदाता बनाने और नाम कटवाने व संशोधन कराने में जुटे हैं। जिले में नगर निगम सहित कुल 11 निकायों के लिए 243 वार्डों में चुनाव होंगे। जिसमें मुरादाबाद नगर निगम के 70 वार्ड में पार्षद और महापौर का चुनाव मतदाता करेंगे। अपर जिलाधिकारी सुरेंद्र सिंह का कहना है कि निकाय चुनाव के लिए नये मतदाता बनाने की प्रक्रिया चल रही है। 17 मार्च तक आयोग की वेबसाइट पर भी आनलाइन आवेदन कर नाम जोड़ने और संशोधन कराने का काम किया जा सकता है।

कारोबारी पार्टनर ने चिकित्सक के 6.60 लाख रुपये हड़पे, केस

मुरादाबाद - दवा के व्यवसाय में कारोबारी पार्टनर बनकर एक चिकित्सक को उनके ही दोस्तों ने लाखों रुपये का चूना लगा दिया। धोखाधड़ी व ठगी के शिकार पीड़ित ने जब मदद की गुहार लगाई तो पुलिस ने भी किनारा कर लिया। कोर्ट के आदेश पर आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस पंजीकृत करते हुए नागफनी पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मुगलपुरा थाना क्षेत्र में वारसी नगर जामा मस्जिद के रहने वाले माशूक खान के मुताबिक वह पेशे से चिकित्सक हैं। नवाबपुरा थाना क्षेत्र के बाग गुलाब राय के रहने वाले फिरोज हसन सिद्दीकी उनके घनिष्ट मित्र थे। बातचीत में फिरोज ने खुद के बेरोजगार होने का हवाला देकर अपने चिकित्सक दोस्त से मदद की गुहार लगाई। माशूक खान के मुताबिक उनके दोस्त ने दवा के कारोबार में साझीदार बनाने का प्रस्ताव उनके सामने रखा। दोस्त की मजबूरी व बेरोजगारी भांप वह मदद में आगे बढ़े। दवा के कारोबार में 25 लाख रुपये का इन्वेस्टमेंट करते हुए वह अपने दोस्त के पार्टनर बन गए।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इनसे उत्पन्न समस्त

एससी एसटी वर्ग की जमीन बिक्री से परमिशन की बाध्यता समाप्त करना सराहनीय निर्णय- राजू आर्य

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा एससी एसटी वर्ग के लोगों की जमीन विक्रय करने के लिए डीएम से अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया को समाप्त किये जाने के आदेश को लोकप्रिय पहलू बताते हुए भारतीय किसान यूनियन (भानु) के राष्ट्रीय संगठन मंत्री रंजीत कुमार आर्य ने जन हितेषी करार दिया है। कट्टर हिन्दूवादी किसान नेता राजू आर्य ने जोर देते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दलित वर्ग की पीड़ा को नजदीक से समझा है और उनकी निजी जमीन पर उन्हीं को क्रय विक्रय के अधिकार से वंचित किए जाने वाले कानून को समाप्त करके समान रूप से न्याय दिए जाने का कार्य किया है जो बेहद सराहनीय है। राजू आर्य ने इस संबंध में दीक्षित टाइम्स से अपनी राय साझा करते हुए कहा है कि संबंधित वर्ग के लोगों की जानलेवा जरूरतों को पूरी करने के लिए कलेजा जैसा टुकड़ा कहे जाने वाले जमीन की बिक्री अब पूरे मूल्य पर हो सकेगी। इससे पूर्व इस जमीन से संबंधित व्यक्ति द्वारा बिक्री किए जाने हेतु परमीशन की वजह से खरीदार ढूंढने से नहीं मिलते थे। यदि खरीदार मिल भी जाते थे तो उस जमीन को ओने पौने दामों में खरीद कर दलित समाज के लोगों का भारी शोषण होता था।

एससी एसटी वर्ग की जमीन की बिक्री हेतु परमिशन दिए जाने के नाम पर संबंधित अधिकारियों द्वारा मोटी रकम वसूल की जाती थी। प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दलित वर्ग की समस्याओं और मजबूरियों व पीड़ा को नजदीकी से परखने के उपरांत उनकी जमीन बिक्री करते वक्त परमीशन की बाध्यता समाप्त करने का निर्णय लिया है, जिससे एससी एसटी वर्ग के लोगों को अपनी जमीन बिक्री करते समय वाजिब कीमत प्राप्त हो सकेगी। और जमीन बेचते वक्त प्रशासन स्तर पर उनका आर्थिक उत्पीड़न भी नहीं हो सकेगा। वही खरीदार भी संबंधित अधिकारियों के हाथों ठगने से बचा रहेगा। किसान नेता राजू आर्य ने अपने निजी अध्ययन पूर्ण निष्कर्ष के आधार पर बयान जारी करते हुए कहा है कि गांव प्रत्येक किसान अपनी जमीन का टुकड़ा जान से ज्यादा महत्वपूर्ण समझता है। और उसे बेचने के लिए किसी भी कीमत पर तैयार नहीं होता। कृषक के सामने जब उसकी अथवा उसके किसी परिजन की जान खतरे में हो या फिर उसकी बेटी शादी योग्य हो गरीबी की वजह से यह कार्य नहीं हो पा रहे हो तब मजबूरी में वह जमीन बेचने का साहस जुटाता है। इससे पूर्व की सरकारों ने दलित समाज के कृषकों की मजबूरी का अध्ययन कभी नहीं किया। और मनमाने तरीके से उनकी जमीन पर तानाशाही के अधिकार का इस्तेमाल जारी रखा जो समाज हित में व्यवहारिक नहीं था

एम0ओ0आई0सी0 एवं सीडीपीओ बेहतर तालमेल बनाकर कार्य करें -डीएम

मुरादाबाद - जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक कलेक्टेऊट सभागार में आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए आई0सी0डी0एस0 एवं आंगनवाडी कार्यकत्रियों को अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए। पोषण टैऊकर पोर्टल टी0एच0आर0 डिस्ट्रीब्यूशन में प्रगति खराब होने पर जिलाधिकारी ने सीडीपीओ से कहा कि यह बतायें कि किस तरह से एप्रूव किया जा सकता है। सीवीसी एक्टिविटी में प्रगति खराब होने पर जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को सैम बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिन बच्चों को स्वास्थ्य ट्रीटमेंट की आवश्यकता है स्वास्थ्य विभाग उनकी जांच कर आवश्यक ट्रीटमेंट उपलब्ध करायें। सेम बच्चों को ई-कवज पोर्टल पर शतप्रतिशत एंट्री करें, जिससे कि हमारा कार्य दिखना चाहिए। जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिये कि वह भी अपेक्षित सहयोग बनाये रखें। उन्होंने कहा कि वी0एच0एस0एन0डी0 सेशन पर सभी आवश्यक उपकरण अवश्य हों, इसका विशेष ध्यान देते हुए कार्य सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिये कि एनीमिया टेवलेट का स्कूलों में समय पर अवश्य इस्तेमाल करायें और सभी प्रधानाचार्यों तक इस बात हो पहुंचायें, ताकि बच्चें मानसिक एवं शारीरिक रुप से स्वस्थ्य रहें। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों की ग्रोथ हेतु संतुलित आहार के लिए पूरे हफ्तेभर हेतु चार्ट बनाये तथा उसी के अनुसार प्रतिदिन खाना बनाया जाये। उन्होंने कहा कि ड्यू लिस्ट का अपडेशन बहुत महत्व है इसे अपडेट करते रहें। गर्भवती महिलाओं का प्रत्येक माह वजन किया जाये तथा शत प्रतिशत बच्चों की भी कवरेज की जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, श्रीमती अल्पना रितेश गुप्ता, श्रीमती प्रिया अग्रवाल, श्रीमती शिखा गुप्ता, डिप्टी सीएमओ, डीपीएम रघुवीर सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी डा0 अनुपमा शांडिल्य, सीडीपीओ, डिवीजन कोआर्डिनेटर, एमओआईसी एवं अन्य संबंधित अधिकारी एवं नगर निगम, स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायतीराज आदि विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

तीन माह पहले आवारा कुत्ते ने काटा था युवक

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-,जैथरा। - रेबीज इंजेक्शन लगवाने के बाद युवक की मौत हो गई। घरवालों का दावा है कि तीन माह पहले आवारा कुत्ता ने काटा था और एंटी रेबीज वैक्सीन भी लगवाई थी और देशी दवाई भी खिलवाई थी। अचानक हालत बिगड़ने पर मेडिकल कॉलेज लाया गया। चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवा रही है। थाना जैथरा के गांव कठिंगरा निवासी मुनीश (36) पुत्र रघुनाथ को तीन माह पहले कुत्ता ने काट लिया था। कुत्ता आवारा है। घरवालों की मानें तो दो बार एंटी रेबीज वैक्सीन भी लगवा चुके थे साथ ही देशी दवाई भी करवाई थी। 12 मार्च से अचानक तबियत खराब होने लगी। परिवारीजन मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। जांच न होने के कारण वापस चले गए थे। बुधवार सुबह अचानक तबियत बिगड़ने लगी। परिवारीजन आनन-फानन में मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। चिकित्सक ने मुनीश को मृत घोषित कर दिया। पीआई के माध्यम से पुलिस को सूचना दी गई। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम गृह भेजा है।

अलीगंज में कराया झौलाछाप क्लीनिक सील तो एटा में एक फर्जी गायनोलॉजिस्ट को थमाया नोटिस

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. उमेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में डिप्टी सीएमओ डा. सर्वेश कुमार की टीम द्वारा जनपद की तहसील अलीगंज के कस्बा अलीगंज में सराय बस अड्डा निकट मुहल्ला मेवाती के पास झौलाछाप बंगाली डाक्टर तिलक सिहं के अपंजीक्रत क्लीनिक को सील किया गया ! ज्ञातव्य हो कि मुहल्ला गुलाम हुसैन निवासी हरीशंकर कश्यप के ढाई माह के पुत्र को पैर में निकली फुंसी का गलत आप्रेशन झौलाछाप द्वारा करने बाद नस कटने के कारण अधिक खून बहने के चलते उसकी म्रत्यू हो गयी ! म्रतक के पिता हरीशंकर कश्यप ने घटना की तहरीर झौलाछाप के विरूद्द कोतवाली अलीगंज में देकर कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है ! पुलिस ने म्रतक बच्चे का पंचनामा कर शव पोस्टमार्टम हेतु मुख्यालय भेजा था

जिसमें म्रत्यु का कारण स्पष्ट न होने पर बिसरा सुरक्षित रखते हुऐ आगरा प्रयोगशाला में भेजा गया है ! मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. उमेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि घटना का उनके द्वारा स्वत- संज्ञान लेकर अवैध चिकित्सा व्यवसाय के नोडल डिप्टी सीएमओ डा. सर्वेश कुमार को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गऐ थे ! डिप्टी सीएमओ डा. सर्वेश कुमार की टीम द्वारा म्रतक के माता पिता के बयान भी दर्ज किऐ गऐ हैं ! आज झौलाछाप क्लीनिकों पर की गयी छापामार कार्यवाही के चलते एटा शहर के पीपल अड्डा स्थिति गली नगर सैन में फर्जी गायनोलॉजिस्ट मीना राजपूत पत्नी अनार सिहं के प्रसूति ग्रह पर भी छापामार कार्यवाही करते हुऐ नोटिस तामील कराया गया है !

2 आरोपियों को अदालत से मिली सजा

निशाकांत शर्मा-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-एटा पुलिस की प्रभावी पैरवी एवं सतत निगरानी के चलते एनडीपीएस एक्ट तथा आर्म्स एक्ट अलग-अलग के मामले में दो आरोपियों को दोषी पाते हुए माननीय न्यायालय से क्रमशः 01 वर्ष कठोर कारावास एवं 3000 रुपये तथा 03 वर्ष कठोर कारावास एवं 5000 रूपये के जुर्माने की मिली सजा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री उदय शंकर सिंह के निर्देशन में जनपदीय मॉनिटरिंग सेल द्वारा लगातार निगरानी रखते हुए- आज दिनांक 15-03-2023 को अभियुक्त इमरान उर्फ लल्ला उर्फ नासिर पुत्र हनीफ निवासी मोहल्ला होली मकान बाबू बिल्डिंग वाले थाना कोतवाली नगर जिला एटा संबंधित मुअस- 400/2013 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट थाना कोतवाली नगर एटा को दोषी पाते हुए माननीय न्यायालय एनडीपीएस एक्ट एटा द्वारा अभियुक्त को 1 वर्ष कठोर कारावास एवं ?3000 अर्थदंड से दंडित किया गया। आज दिनांक 15/03/2023 को अभियुक्त प्रदीप उर्फ गरीबा पुत्र उमेश निवासी कांशीराम आवासीय कॉलोनी थाना कोतवाली नगर जनपद एटा संबंधित मुकदमा अपराध संख्या 482/16 धारा 25 आर्म्स एक्ट थाना कोतवाली नगर एटा को दोषी पाते हुए माननीय न्यायालय सीजेएम एटा द्वारा अभियुक्त को 03 वर्ष कठोर कारावास एवं ?5000 अर्थदंड से दंडित किया गया

दूल्हा कपिल कुमार निकला 3 बच्चों का बाप

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-एटा में धोखे से शादी रचाने वाले दूल्हे और दूल्हे के पिता सहित बारातियों को दुल्हन के परिजनों ने बनाया बंधक, दूल्हा कपिल कुमार निकला 3 बच्चों का बाप,दुल्हन शिल्पी यादव ने ऐसे धोखेबाज दूल्हे से शादी करने से किया मना, कोतवाली देहात के निकट आगरा रोड़ के दाखवानी गेस्ट हाउस में कल रात को आई थी बुलंदशहर के स्याना गांव से बारात, सूचना पर पहुंची कोतवाली देहात पुलिस ने दूल्हा और दूल्हे के पिता सहित कई लोगों को गिरफ्तार कर ले गई थाना कोतवाली देहातपीड़ित दुल्हन शिल्पी और पिता अमित यादव ने लगाई एसएसपी से न्याय की गुहार, पीड़िता दुल्हन धोखेबाज दूल्हे और दूल्हे के पिता पर कार्यवाही की कर रहे है मांग, दूल्हा कपिल कुमार जनपद बुलंदशहर के स्याना गांव से एटा में धोखे से रचाने आया था शादी, थाना कोतवाली देहात के दाखवानी गेस्ट हाउस में धोखे से शादी का मामला।

सांड की दहशत दिनभर पब्लिक में रहती है

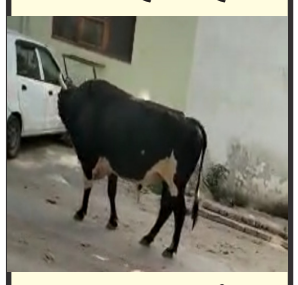

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-देहशती आवाजें निकालने वाला एक सांड एटा शहर के हर कोने कोने में घूम रहा है जो लोगों पर मन चाहे जहां अटैक भी कर रहा है पर व्यवस्थाओं की आंखों से अभी भी ओझल है शहर में आवारा जानवरों का खुलेआम आतंक,बच्चे जब स्कूलों के लिए निकलते हैं तो बंदर सड़कों पर सैकड़ों की तादाद में बैठे होते हैं जो भूंख से चिढ़े हुए पब्लिक पर अटैक कर रहे हैं और इस सांड की दहशत दिनभर पब्लिक में रहती है निकल कर किसी भी तरह अपना काम कर है।

जिपं अध्यक्ष, पूर्व विधायक की पत्नी की संपत्ति कुर्क

निशाकांत शर्मा-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा यादव तथा पूर्व विधायक की पत्नी राममूर्ति की संपत्ति जब्त की गई। पुलिस के साथ पहुंची प्रशासनिक टीम ने संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की है। सओ कृष्ण कांत लोधी के बताया कि बुधवार को डीएम के आदेशनुसार गैंग लीडर रामेश्वर सिंह, जुगेंद्र सिंह निवासी ग्राम अमृतपुर रघुपुर थाना जसरथपुर एटा हाल पता मोहल्ला प्रेम नगर कोतवाली नगर एटा की पत्नियों के नाम गांव सरौंठ में स्थित अचल संपत्ति को कुर्क किया गया। पूर्व विधायक की पत्नी राममूर्ति, जुगेंद्र यादव की पत्नी रेखा यादव के नाम संपत्ति दर्ज थी जिसे कुर्क किया गया है। इस दौरान मुनादी करा कर कुर्क करने की कार्यवाही की गई और कुर्क की गई जमीन पर बोर्ड भी लगवाएं गए है। कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार सुशील कुमार सिंह, लेखपाल रामकिशन, लेखपाल देशबंधु, एसओ जसरथपुर कृष्ण कान्त लोधी फोर्स के साथ मौजूद रहे।

रक्षा अध्ययन के पी0जी0 फोरम कार्यक्रम में हुई निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली-बरेली कॉलेज बरेली के रक्षा अध्ययन विभाग में प्राचार्य ओ0पी0 राय के संरक्षण में गुरुवार को पीजी फोरम कार्यक्रम के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता हुई। जिसका मुख्य विषय भारत के लिए जी 20 का महत्व तथा एक भाषण प्रतियोगिता जिसका उप विषय विषय वर्तमान में साइबर सुरक्षा का राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्व संचालित हुई, जिसमें समस्त रक्षा अध्ययन विषय के परास्नातक छात्र छात्राओं ने भाग लिया। साइबर सुरक्षा के बारे में विद्यार्थियों ने अपने भाषण में बताया कि साइबर सुरक्षा एक प्रकार की ऐसी है जिसका कार्य इंटरनेट से जुड़े डिजिटल डिवाइस के डाटा को सुरक्षा प्रदान करना होता है। साइबर सुरक्षा द्वारा इंटरनेट पर हो रही गलत गतिविधियों को रोका जाता है। जिसे इंटरनेट उपयोगकर्ता को अपने डाटा की हानि ना हो पाए साथ ही साइबर सुरक्षा के प्रकार आदि पर विस्तृत भाषण हुए। कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एम0 पी0 सिंह ने कहा कि साइबर सुरक्षा अपने अलग-अलग सुरक्षा प्रकार की सहायता से किसी कंप्यूटर सिस्टम को सुरक्षा प्रदान करता है ।यह एक ज्वलंत और आवश्यक पहलू बनकर हमारे वातावरण में फैला हुआ है। जिसकी सुरक्षा सदैव पुख्ता होनी चाहिए। कार्यक्रम समन्वयक डॉक्टर रूबी सिद्दीकी ने समस्त विद्यार्थियों को प्रतियोगिताओं में सदैव आगे आने को प्रेरित किया साथ ही बताया कि समस्त परिणाम फेयरवेल में घोषित किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ यशार्थ गौतम ने किया। प्रोफेसर एम0 के0 सिंह, डॉक्टर सूर्यप्रकाश राव आदि शिक्षक मौजूद रहें।

2शातिर महिला चोरों को चोरी के माल एवं जेब काटने वाले ब्लेड सहित किया गया गिरफ्तार

निशाकांत शर्मा-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-थाना जलेसर पुलिस को मिली सफलता थाना जलेसर पुलिस द्वारा जेब काट कर चोरी करने वाली दो शातिर महिला चोरों को चोरी के माल एवं जेब काटने वाले ब्लेड सहित किया गया गिरफ्तार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री उदय शंकर सिंह के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जलेसर पुलिस द्वारा जेब काट कर चोरी करने वाली दो शातिर महिला चोरों को चोरी के माल एवं जेब काटने वाले ब्लेड सहित गिरफ्तार किया गाय है। गिरफ्तार अभियुक्ताओं के विरुद्ध थाना स्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।अभियुक्तएं जेबकतरा गैंग की सक्रिय सदस्य हैं एवं पेशेवर अपराधी हैं जोकि ब्लेड से लोगों की जेब काटकर रुपए चुराने के साथ हाथ की सफाई से गले की चेन, अंगूठी इत्यादि भी चोरी करती हैं। अच्छे कपड़े पहन कर रहती हैं जिससे कि लोगों को शक ना हो। थाना जलेसर क्षेत्रांतर्गत आज शुरू हुए उर्स मेले में चोरी करने के इरादे से ही आई थी। मेले में उनके द्वारा एक महिला के पर्स से ब्लेड मारकर 1700 चोरी कर लिए गए थे। सूचना पर थाना जलेसर पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए उन्हें चोरी के रुपयों सहित गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्ताओं का नाम पता 02 अभियुक्ता बरामदगी चोरी के 1700 रुपए घटना में प्रयुक्त 01 ब्लेड गिरफ्तार करने वाली टीम प्रभारी निरीक्षक जगदीश चंद्र मुख्य आरक्षी संजय सिंह आरक्षी कुंवरसेन आरक्षी जितेंद्र कुमार महिला आरक्षी जासमीन

राजश्री कालेज में मैकेट्रोनिक्स विषय पर ऑल इंडिया सेमिनार का हुआ सफल आयोजन

प्रदीप कुमार गुप्ता
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
बरेली- रिठौरा। राजश्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट एण्ड टेक्नोलॉजी, बरेली में द' इंस्टीट्यूशन्स ऑफ इन्जीनियर्स (इण्डिया) के तत्वावधान में गुरुवार को ''ऑल इंडिया सेमिनार मैकेट्रोनिक्स एन इमरजिंग टेक्नोलॉजी एंड फ्यूचर ट्रेंड्स'' विषय पर आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञों व शोध छात्रों ने भाग लिया। संस्थान द्वारा आयोजित ऑल इंडिया सेमिनार के शुभारम्भ समारोह के मुख्य अतिथि पी.डब्ल्यू.डी. के मुख्य अभियंता एस.के तिवारी एवं संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, सचिव राकेश कुमार अग्रवाल, एकेडिमिक एडवाइजर मिस तूलिका अग्रवाल व इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, बरेली लोकल सेंटर के चेयरमैन राज गोयल के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मौजूद राजश्री प्रबन्धन के सदस्यों ने ऑल इंडिया सेमिनार में सम्मिलित हुए सभी अतिथियों ई. सुधीर गुप्ता, ई. प्रदीप मधवार, ई. सुभाष मेहरा, एच.सी. गुप्ता का

स्वागत करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये शुभकामनाएं दी। संस्थान के चेयरमैन ने अपने भाषण में भारत में ऊर्जा क्षेत्र में आपूर्ति के लिए राजश्री ग्रुप द्वारा शुरू किये गये एथेनॉल आधारित ईंधन निर्माण प्लांट जैसे प्रयासों को भविष्य में भारत की अर्थव्यवस्था दृष्टि से लाभकारी बताया। संस्थान की एकेडिमिक एडवाइजर मिस तूलिका अग्रवाल द्वारा शुरू किये गये महिला सशक्तिकरण व कौशल विकास आधारित स्टार्ट-अप में जुड़े राजश्री ग्रुप के सदस्यों को आगे बढ़ने का आह्वान किया। निदेशक (शोध एवं विकास) प्रो. डॉ0 पंकज कुमार शर्मा ने अत्याधुनिक तकनीकी, शिक्षा एवं रिसर्च में नवाचार के लिए सेमिनार शीर्षक मैकेट्रोनिक्स की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। टेक्निकल सेशन में एस.आर.एम.एस. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी से अलीशा खान, अक्षय बालियान व राजश्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी से विपुल त्यागी, सूर्यकांत सिंह, तुलसी सिंह, पुष्कर जौहरी के शोध पत्र की प्रस्तुति सराहनीय रही। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर संस्थान के निदेशक (शैक्षणिक) प्रो. डॉ0 अनिल कुमार, डीन (एकेडमिक्स) प्रो. डॉ0 साकेत अग्रवाल, डॉ. मुकेश पाल गंगवार, डॉ. सी.पी. गंगवार, डॉ. रवीश अग्रवाल, अनुज वर्मा, सुरभि यादव, संध्या देवी, अभिषेक भटनागर, मोहित पांडेय, सौरभ द्विवेदी, मेघा पाराशर, प्रियंका यादव, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जीशान तबस्सुम व हरिप्रीत ने किया।

होली मिलन के अवसर पर जिलाधिकारी ने बांटा बाढ़ पीड़ितों का दर्द

अरविन्द कुमार यादव
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
श्रावस्ती-जिलाधिकारी नेहा प्रकाश ने जनपद में अलग परंपरा स्थापित करते हुए अक्टूबर में आयी भीषण बाढ़ से प्रभावित रमनगरा के ग्रामीणों के साथ होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर में बाढ़ पीड़ितों को गुझिया खिलाई और 6 परिवारों के लिए पर्याप्त किचन सेट बांटे। इस अवसर पर रेडक्रॉस की अध्यक्षा जिलाधिकारी नेहा प्रकाश ने कहा कि जनपद में आयी भीषण बाढ़ से जनपद बुरी तरह प्रभावित हुआ था। इस बाढ़ में रमनगरा गांव में बहुत नुकसान हुआ कई घर कट गये और कई गृहस्थी तबाह हो गयी थी। उन्होने कहा कि जिला प्रशासन बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए सदैव तत्पर है। गांव में शासन स्तर से तो मदद पहुंचाई गयी थी, लेकिन आज रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से भी

उनकी गृहस्थी के लिए किचन सेट प्रदान किया गया। यह किचन सेट रेडक्रॉस की प्रदेश महासचिव हिमाबिंदु नाइक द्वारा जनपद शाखा को निःशुल्क प्रदान किए गये थे। इस अवसर पर रेडक्रॉस के सभापति अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि अध्यक्ष/जिलाधिकारी के प्रयास से राज्य शाखा की महासचिव डॉ हिमाबिंदु नाइक द्वारा यह निःशुल्क किचन सेट प्रदान किए हैं। इस किचेन सेट में दो खाना पकाने वाले बर्तन, 6 प्लेट, 6 चम्मच, 6 कटोरा, 6 कप, 1 फ्राइपेन, 3 चमचे, बर्तन साफ करने का सामान है जो कि 6 लोगों के परिवार के लिए पर्याप्त है। होली मिलन में आई महिला शिवराजी पत्नी भगवानदीन सोनकर का घर बाढ़ में कट गया था। जिलाधिकारी ने उन्हें गले लगाकर सांत्वना दी एवं होली की पारंपरिक मिठाई गुझिया खिलाई व किचेन सेट प्रदान किया। जिससे अभिभूत होकर शिवराजी ने कहा जिलाधिकारी का यह प्यार पाकर वो बहुत ही गौरवशाली महसूस कर रही हैं। उन्होने कहा कि हमने सुना था कि जिलाधिकारी महोदया बहुत ही दयावान है, जो आज मुझे गले लगाकर धन्य कर दिया है। इसी प्रकार सभी लाभार्थियों ने जिलाधिकारी की इस पहल की सराहना की।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत ''मेरी पॉलिसी मेरे हाथ''

बीमित कृषकों को पॉलिसी प्रमाण पत्र का किया गया वितरण

किसान दिवस पर जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

लंकीन प्रसाद वर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
श्रावस्ती- जिलाधिकारी नेहा प्रकाश की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में ''किसान दिवस'' का आयोजन किया गया। जिसके तहत अन्तर्राष्ट्रीय श्री अन्न मिलेट्स जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें पी0पी0टी0 के माध्यम से कृषि विज्ञान के वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों को श्री अन्न (मिलेट्स) उत्पादन की विभिन्न तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने किसानों की समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण करने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित भी किया। बैठक में बीज, उर्वरक व अन्य कृषि निवेशों की उपलब्धता एवं गुणवत्ता नियंत्रण की प्रगति की समीक्षा की गई। कृषि निवेशों एवं फसलों के लिए आवश्यक उर्वरकों की आपूर्ति, दुग्ध व्यवसाय एवं उत्पादन की प्रगति, पशुओं को चारे के उत्पादन एवं पानी

आदि की उपलब्धता तथा नलकूप के संचालन की स्थिति आदि के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। किसान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत ''मेरी पॉलिसी मेरे हाथ'' बीमित 10 कृषकों को पॉलिसी प्रमाण पत्र का वितरण किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में ज्वार, बाजरा, सावां, कोदो, काकून, रागी, कुट्टू, कुटकी, चेना, चौलाई आदि श्री अन्न (मिलेट्स) के उत्पादन की अपार संभावनाएं है। किसान बन्धु मिलेट्स उत्पादन कर जनपद को कृषि क्षेत्र में नये आयाम प्राप्त कराने में अपनी अहम भूमिका निभा सकते है। उन्होने कहा कि जनपद में श्री अन्न की खेती के लिये एक विस्तृत प्लान तैयार किया जाय और चरणबद्ध ढंग से कृषकों की हैंड होल्डिंग करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया जाय। इस कार्य को कृषक उत्पादक संगठनों के माध्यम से ज्यादा प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। उप कृषि निदेशक ने अवगत कराया कि इसके लिये ग्राम स्तर पर निरन्तर प्रशिक्षणों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे बड़ी संख्या में कृषक प्रेरित हो रहे हैं। जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों/कर्मचारियों को इस कार्य मे पूर्ण रुचि लेते हुए खरीफ में कम से कम 2000 हेक्टेयर में श्री अन्न की खेती करने का लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि मिलेट्स के उत्पादन के लिए कृषकों को मिलेट्स के बीज कृषि विभाग द्वारा राजकीय बीज गोदामों पर उपलब्ध करा दिये जायेंगे। सस्ते खाद्यान्नों से ही सभी पोषक तत्व प्राप्त हो जाते थे और हम शारीरिक रूप से अधिक ऊर्जावान और सक्षम होते थे। हमें गेहूं और धान की उन्नतिशील प्रजातियां मिल जाने के बाद हमने धीरे-धीरे छोटे अनाजों को उगाना छोड़ दिया है। जिसे फिर से अपनाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर उप निदेशक कृषि कमल कटियार ने बताया कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर इस वर्ष को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि मिलेट्स को हम मोटे अनाज के प्रचलित नाम से जानते हैं, जिनको अब उनकी पोषक महत्ता को देखते हुए श्री अन्न के नाम से पुकारे जाने की अपील देश के मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा की गई है। जिनमे कोदों, सावां, कुटकी, काकुन, रागी, ज्वार, बाजरा और रामदाना प्रमुख हैं। दक्षिण भारतीय राज्यों में इनकी खेती अभी भी व्यापक पैमाने पर की जा रही है, जिससे कृषक कम लागत में ही धान और गेहूं जैसी फसलों के बराबर मुनाफा कमा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इन अनाजों में कीड़े-मकोड़े आदि का प्रकोप बहुत कम होता है और इनको लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है, जिससे बाजार मूल्य में उतार चढ़ाव के असर से भी बचा जा सकता है। जनपद के ऐसे सभी क्षेत्र जो सिंचाई की सुविधा से वंचित हैं और समस्याग्रस्त हैं उनमें भी इनको आसानी से उगाया जा सकता है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रणवीर सिंह, जिला विकास अधिकारी रामसमुझ, परियोजना निदेशक इन्द्रपाल सिंह, सहायक निदेशक मत्स्य सुरेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी अवधेश कुमार यादव, जिला कृषि रक्षा अधिकारी विजय कुमार, जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी, प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र डा0 विनय कुमार सहित कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, अधिकारीगण, एफ0पी0ओ0 के अध्यक्ष/सदस्य एवं किसान बन्धु उपस्थित रहे।

तीन महीने के लिए अलीगढ़ में धारा 144 लागू, डीएम ने जारी किया आदेश, नहीं कर सकते यह काम

अलीगढ में धारा 144 दंड प्रक्रिया संहिता लागू की गई है। धारा 144 को 16 मार्च से लेकर 7 जून तक लागू किया गया है। निषेधाज्ञा लागू हो जाने पर बिना अनुमति के कोई भी सभा, जुलूस अथवा रैली का आयोजन नहीं किया जायेगा। त्योहार, विभिन्न बोर्ड और विवि की परीक्षाएं और सन्निकट नगरीय निकाय चुनाव को देखते हुए अलीगढ़ में तीन महीने के लिए धारा 144 लागू कर दी है। जिसके लिए डीएम इंद्र विक्रम सिंह के निर्देश पर एडीएम प्रशासन डीपी पाल ने आदेश जारी कर दिया है। अलीगढ में धारा 144 दंड प्रक्रिया संहिता लागू की गई है। धारा 144 को 16 मार्च से लेकर 7 जून तक लागू किया गया है। इस आदेश की प्रति सभी तहसील, थाना,

विकासखण्ड, स्कूलों, नगर पालिका, नगर पंचायत पर चस्पा की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करता है तो धारा 188 आईपीसी के अंतर्गत तथा अन्य सुसंगत अधिनियम एवं विधिक प्रावधानों के अंतर्गत दंडनीय होगा। निषेधाज्ञा लागू हो जाने पर बिना अनुमति के कोई भी सभा, जुलूस अथवा रैली का आयोजन नहीं किया जायेगा। इस अवधि में कोई भी व्यक्ति लाठी, बन्दूक आदि हथियार लेकर नहीं चलेगा और कोई भी ऐसा कृत्य नहीं करेगा जिससे किसी दूसरे व्यक्ति की भावनायें आहत हों। ये हैं त्योहार 22 मार्च को चेटीचन्द 30 मार्च को रामनवमी 4 अप्रैल को महावीर जयन्ती 7 अप्रैल को गुड फाईडे 14 अप्रैल को डॉ भीमराव अम्बेडकर जन्मदिवस 21 अप्रैल को जमात-उल-विदा 22 अप्रैल को ईद-उल-फितर 5 मई को बुद्ध पूर्णिमा 9 मई को लोकनायक महाराणा जयन्ती

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति ने एसडीएम को सौंपा 12 सूत्रीय ज्ञापन

प्रेमचंद जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
श्रावस्ती- श्रावस्ती भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के जिला अध्यक्ष शमीम जसगढ़ ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन को उपजिलाधिकारी भिनगा को 12 सूत्रीय ज्ञापन सोपते हुए सहारा इंडिया बैंक में जमा धनराशि को दिलवाये।, आवारा छुट्टा जनवरो को गौशाला में बंद करवाया जाय।, जिला में अधिकांश विधवा, बृद्धा व विकलांग को पेंशन नही मिला है उसे दिलवाजा जाय।, जमुनहा

बहराइच राज्य मार्ग पर रोडवेज बस् को संचालन हो जिससे गांव से मुख्यालय तक जुड़ सके।, जमुनहा ब्लाक में अधिकांश आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहती है। जो कई केन्द्रो के कार्यकत्री बगल के जनपद से निवास करते है।, जमुनहा भवनियापुर व बरगदहा में सफाई कर्मी कार्य नही कर रहे है।, कोटेदार द्वारा 500 ग्राम की घटतौली की जा रही है। उसे दिलवाया जाय।, ग्राम पंचायत बरगदहा में तीन तालाबों पर अबैध कब्जा हटवा कर सुंदरीकरण करवाया जाय।, अधिकाश किसान सम्मान निधि का भुगतान नही हुआ हैं।जबकि किसानो द्वारा केवाइसी पुरा करा लिया गया है।, बाढ़ राहत का रुपये अधिकाश किसानो को नही मिला है। आदि पर ज्ञापन देकर मांग किया है।

नवनिर्वाचित महामंत्री आज करेंगे शपथ ग्रहण

प्रद्युम्न कटियार
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
कानपुर (बिल्हौर)- बिल्हौर बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित महामंत्री का शपथ ग्रहण समारोह 17 मार्च 2023 को दोपहर करीब 12=00 बजे तहसील सभागार बिल्हौर में आयोजित होगा, यह जानकारी देते हुए नवनिर्वाचित महामंत्री शिव शरण तिवारी ने बताया इस शपथ ग्रहण में कई निर्वाचित सदस्य हो सकते हैं शामिल।

महबूबा मुफ्ती के शिवलिंग पर जलाभिषेक से आगबबूला हुए उलमा, बोले-ये इस्लाम के खिलाफ

जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री व पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती का शिवलिंग पर जलाभिषेक करना उलमाओं को नगवार गुजर रहा है। देवबंदी उलमा ने इसे इस्लाम के खिलाफ बताया है। कहा है कि इस्लाम दूसरे धर्म की परंपराओं पर अमल करने की इजाजत नहीं देता। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री व पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती के पुंछ के नवग्रह मंदिर पहुंच कर शिवलिंग पर जल चढ़ाने को उलमा ने सरासर गलत बताया है। साथ ही उन्होंने इस पर नाराजगी जताते हुए किसी दूसरे धर्म की परंपराओं पर अमल करने को इस्लाम के खिलाफ करार दिया। मदरसा जामिया शेखुल हिंद के मोहतमिम मौलाना मुफ्ती असद कासमी ने कहा कि मुसलमान को अपने मजहब के ऊपर ही अमल करना चाहिए। दूसरे के मजहब की परंपराओं को अपनाने की शरीयत में कोई इजाजत नहीं है। मुसलमान हैं तो मुसलमानों वाले काम करें। गैर मुस्लिमों वाला कोई काम न करें। मुफ्ती असद ने कहा कि यह कोई फतवा नहीं है। बल्कि यह मेरी जाति राय है। इस्लाम इसके बारे में क्या कहता है। मैनें सिर्फ वो ही बताया है। इसलिए मुसलमान को चाहिए कि वह वो काम करे जिसका हुक्म इस्लाम में दिया गया है। उसके अलावा किसी गैर मजहब के तरीकों को इख्तियार करता है तो वह मुनासिब नहीं है। उन्होंने कहा कि मुल्क आजाद है सबको अपने अच्छे और बुरे के बारे में मालूम है। कोई क्या करता है उसके ऊपर हमारा कोई हक नहीं है। जमीयत दावतुल मुसलीमीन के संरक्षक व प्रसिद्ध आलिम मौलाना कारी इस्हाक गोरा का कहना है कि इस्लाम में सिर्फ नाम रख लेना काफी नहीं होता। उसके लिए इस्लाम के कायदे कानूनों को भी मानना पड़ता है। सच्चा और पक्का मुसलमान अच्छे से जानता है कि उसके किस कार्य को करने से वो इस्लाम खारिज हो जाता है। इसी तरह महबूबा मुफ्ती ने मंदिर में जाकर पूजा अर्चना की है। अगर वह खुद को पक्की सच्ची मुसलमान समझती हैं तो उनको मालूम होना चाहिए कि वह इस्लाम में रही हैं या नहीं।

अखिलेश यादव का डिप्टी सीएम पर निशाना, बोले- मुख्यमंत्री अपने बगल में बैठे शूद्र से दिलाते हैं बयान

मैनपुरी में आए अखिलेश यादव ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के बयान अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन रहा है और सपा के लोग रामभक्तों पर गोलियां चलवाना चाहते हैं पर पलटवार किया।रासचरित मानस की चौपाई से शुरू हुआ शूद्र का विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। बृहस्पतिवार को गांव अंगौथा नगरिया में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में शामिल होने आए सपा प्रमुख ने फिर इस मामले को एक बयान से हवा दे दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अपने बगल में एक शूद्र को बैठाकर रखते हैं, और उन्हीं से बयान दिलवाते हैं। ये बातें उन्होंने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के बयान अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन रहा है और सपा के लोग रामभक्तों पर गोलियां चलवाना चाहते हैं पर पलटवार करते हुए कहीं। उन्होंने कहा लोग पूछें कि क्या वह शूद्र हैं या नहीं? वहीं रामचरित मानस को लेकर मंगलवार को सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर वे कुछ भी बोलने से बचते नजर आए। कहा वे जानकारी करेंगे कि उन्होंने क्या बयान दिया। मंदिरों में रामचरितमानस पाठ के आयोजन को लेकर उन्होंने कहा कि सरकार सभी मंदिरों में आयोजन के लिए धनराशि दे, सपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी प्रसाद लेने जरूर आएंगे। वहीं 2024 के चुनाव को उन्होंने देश की राजनीति की दिशा तय करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश से ही होकर देश के प्रधानमंत्री की कुर्सी का रास्ता जाता है। लेकिन आज उत्तर प्रदेश को ही पीछे छोड़ दिया गया है, जनता इसका जवाब देगी। सरकार गुजरात मॉडल की बजाए मैनपुरी मॉडल पर रिसर्च कर रही है। क्योंकि मैनपुरी मॉडल ने लोकसभा उप चुनाव में भाजपा को हराकर ये साबित कर दिया था मि मैनपुरी मॉडल ही सबसे बेहतर है। वे यहीं नहीं रुके, उन्होंने अगर वास्तव में सरकार माफिया पर कार्रवाई करना चाहती है तो टॉप-10 या टॉप-100 माफिया की सूची जारी क्यों नहीं करती है। क्योंकि अगर ऐसा हुआ तो इसमें सबसे ज्यादा भाजपाई ही होंगे। इस दौरान पूर्व सांसद तेजप्रताप यादव, जिलाध्यक्ष सपा आलोक शाक्य, पूर्व विधायक राजकुमार यादव, विधायक किशनी बृजेश कठेरिया और पूर्व एमएलसी अरविंद यादव मौजूद रहे।

भाजपा ने चुराया समाजवादियों का नारा

सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का नारा देती है ये नारा समाजवाद का है। भाजपा ने समाजवादियों का नारा चुराया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार रामराज्य लाने की बात करती है, लेकिन केवल समाजवाद से ही रामराज्य लाया जा सकता है।

प्रशासन लड़ रहा सहकारिता चुनाव

सरकार के साथ-साथ अखिलेश यादव प्रशासन भी हमलावर नजर आए। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रशासन से ही चुनाव लड़ती है। लोकसभा उप चुनाव में नेता कप्तान से चुगली करते थे, इसके बाद आगे-आगे पुलिस और पीछे-पीछे अर्धसैनिक बल आते थे। उन्होंने कहा कि दो दिन से चल रहे सहकारिता चुनाव में भी प्रशासन ही चुनाव लड़ रहा है। उन्होंने जमीन पर कब्जा करने के लिए भी प्रशासन और भाजपा सरकार को जिम्मेदार बताया।

छह माह में इंसाफ: 9वीं की छात्रा से छेड़खानी कर देते थे तेजाब से चेहरा जलाने की धमकी, कोर्ट ने सुनाई कड़ी सजा

सोनभद्र निवासी किशोरी से छेड़खानी और तेजाब से चेहरा जलाने की धमकी के सनसनीखेज मामले में इंसाफ के लिए तारीख पर तारीख का लंबा इंतजार नहीं करना पड़ा। सुनवाई शुरू होने के छह महीने बाद ही आरोपी युवकों को पॉक्सो कोर्ट ने दोषी करार दिया। गुरुवार को दोषियों को कड़ी सजा सुनाई गई। छह माह पहले हुई किशोरी के साथ छेड़छाड़ एवं तेजाब छिड़ककर चेहरा खराब करने की धमकी देने के मामले में कोर्ट ने चार दोषियों को पांच-पांच साल की सजा सुनाई है। गुरुवार को मामले की सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट निहारिका चौहान की अदालत ने दोषियों पर 12-12 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड न देने पर चार- चार माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अर्थदंड की समूची धनराशि पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक सोनभद्र जिले के दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने 22 सितंबर 2022 को दुद्धी कोतवाली में तहरीर दी। अवगत कराया था कि 21 सितंबर की अपराह्न दिघुल गांव निवासी अजीमुद्दीन, रुस्तम, सोहराब और वसीम बाइक से उसके घर के सामने आए और हॉर्न बजाने लगे।

घर के बाहर बाइक लगाकर पुकारते थे छात्रा का नाम

जब उसकी कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई तो कक्षा-9 में पढ़ने वाली उसकी बेटी का नाम लेकर बुलाने लगे। जब हमलोग घर से बाहर निकले तो आरोपी यह धमकी देते हुए फरार हो गए कि वह उसकी बेटी को उठा ले जाएंगे।जब बेटी से पूछा गया तो वह रोने लगी और बताई कि जब वह स्कूल जाती है तो सभी मिलकर उसे परेशान करते हैं। उसके साथ छेड़छाड़ भी करते हैं। कई बार उनके भय से स्कूल भी नहीं जा रही थी। शर्म की वजह से यह बात नहीं बता रही थी। इतना ही नहीं ये लोग यह भी धमकी दे रहे थे कि अगर किसी से बताओगी तो तेजाब छिड़क कर चेहरा खराब कर देंगे। इस तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर विवेचना किया और न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोष सिद्ध पाकर चारों दोषियों अजमेरुद्दीन, रुस्तम, सोहराब व वसीम को पांच- पांच वर्ष की कैद एवं 12- 12 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 4- 4 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की समूची धनराशि पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश कुमार अग्रहरी, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

वाराणसी में अजय मिश्रा टेनी: विश्वनाथ धाम में लगाई हाजिरी, बोले- राहुल गांधी को गंभीरता से लेना बंद करें

वाराणसी पहुंचे केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी ने राहुल गांधी पर हमला बोला। कहा कि विदेश जाकर राहुल गांधी ने भारत माता का अपमान किया है। भाजपा कभी भी राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेती है। इसलिए देशवासी भी उन्हें गंभीरता से लेना बंद कर दें।वाराणसी दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी ने गुरुवार को काशी विश्वनाथ धाम में हाजिरी लगाई। विधि-विधान से बाबा विश्वनाथ के गर्भ गृह में पूजन कर मंगलकामना की। मंदिर से निकलने के बाद बाबा के शिखर को प्रणाम कर धाम की भव्यता निहारी। उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम की व्यवस्थाओं को पहले से बहुत बेहतर बताया। उसके बाद वह चंदौली के लिए रवाना हो गए। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी बुधवार शाम वाराणसी पहुंचे थे। सर्किट हाउस में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में राहुल गांधी पर हमला बोला। कहा कि भाजपा कभी भी राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेती है। इसलिए देशवासी भी उन्हें गंभीरता से लेना बंद कर दें।

देशवासी भी कांग्रेस नेता से नाराज

अजय मिश्रा टेनी ने कहा कि विदेश जाकर राहुल गांधी ने भारत माता का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता ने जो काम किया है, वह देशवासियों को पसंद नहीं आया है। जिस तरह से भाजपा हमलावर है, वैसे ही देशवासी भी कांग्रेस नेता से नाराज हैं। अखिलेश यादव पर भी कसा तंजउन्होंने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी तंज कसा और कहा कि वे चाहे तीसरा, चौथा या पांचवां मोर्चा बनाएं, मगर प्रदेश में अब उनके लिए कोई जगह नहीं बची है।राम चरित मानस पर पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य की टिप्पणी से संबंधित सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्हें सनातन धर्म का ज्ञान ही नहीं है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री का बाबतपुर एयरपोर्ट पर राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर मिश्रा दयालु, यूनियन लीडर सुभाष तिवारी, शशि मिश्रा, विभूति राय सहित अन्य लोगों ने स्वागत किया।

महंगाई की ऐसी मार- फिर चूल्हे के धुएं में घुट रहीं महिलाएं, कबाड़ हो रहे गैस सिलिंडर, हैरान कर देगी ये रिपोर्ट

गैस सिलिंडर के बढ़ते दाम से उज्जवला योजना के लाभार्थियों के घरों में फिर से चूल्हे जलने लगे हैं। हाल यह है कि इस योजना के 50 फीसदी लाभार्थियों ने सिलिंडरों को भरवाना बंद कर दिया है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत वर्ष 2017 में बागपत में 89,357 लाभार्थियों को गैस सिलिंडर, चूल्हे, रेगुलेटर समेत अन्य सामान वितरित किया गया था। उस समय गैस सिलिंडर की कीमत 568 रुपये थी और उसमें उज्जवला योजना के लाभार्थियों को सिलिंडर के दाम के हिसाब से सब्सिडी भी दी जाती थी। उज्जवला योजना से गैस सिलिंडर व चूल्हा मिलने के बाद घरों में चूल्हे जलने बंद हो गए थे और गैस का इस्तेमाल शुरू कर दिया था।उसके बाद से लगातार घरेलू गैस सिलिंडरों के दाम बढ़ते जा रहे है। अब सिलिंडर के दाम 1100 रुपये तक पहुंच गए और इस समय सब्सिडी केवल 200 रुपये मिल रही है। लाभार्थियों ने गैस सिलिंडर को भरवाना बंद कर दिया है और अधिकतर दोबारा से चूल्हे का इस्तेमाल करने लगे हैं।चूल्हे पर खाना बनाना शुरू कर दिया- गैस सिलिंडर जब मिला था, तब साढ़े पांच सौ रुपये में भर जाता था और उनमें भी 200 रुपये से ज्यादा वापस मिल जाते थे। अब 1100 रुपये का इंतजाम कैसे करें, इसलिए जंगल से लकड़ी लाकर व उपले से चूल्हा जलाकर खाना बना लेते हैं। - निर्मला, पुरानी तहसीलकैसे भरवाए इतना महंगा सिलिंडर,हमारे परिवार के सभी लोग मजदूरी करते हैं। गैस सिलिंडर खाली होने पर भरवाने के लिए कई दिन तक रुपये इकट्ठे करने पड़ते थे। अब सिलिंडर महंगा इतना हो गया कि कहां से भरवाए, अब फिर से चूल्हा जलाना शुरू कर दिया है। - सुनीता, कश्यप कॉलोनीगैस सिलिंडर महंगा, उपले सस्ते,गैस सिलिंडर महंगा होने के कारण तीन-चार महीने में एक बार भरवा लेते हैं। अब चूल्हे का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। गैस सिलिंडर में जितने रुपये देने पड़ते है, उससे कम में उपले खरीदकर काम चल जाता है। - उर्मिला, कश्यप कॉलोनीकाफी कम लाभार्थी भरवा रहे सिलिंडर,गैस सिलिंडर महंगा होने के बाद खपत में कमी आई है।

मेरी एजेंसी पर प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के 1500 लाभार्थी जुड़े हैं, जिसमें से 50 फीसदी से ज्यादा ने गैस सिलिंडरों को भरवाना बंद कर दिया है। - राजीव गुप्ता, गैस एजेंसी संचालकदाम बढ़ने से कम हो गए सिलिंडर भरवाने वाले,गैस सिलिंडर के दाम बढ़ने से खपत में कमी आई है तो सिलिंडर भरवाने वाले भी कम हो गए है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के 450 लाभार्थी मेरी एजेंसी से जुड़े हैं, जिनमें से 60 फीसदी लाभार्थी गैस सिलिंडर नहीं भरवा रहे हैं। - अजय चौहान, गैस एजेंसी संचालक

David Warner got the command of Delhi Capitals, Akshar Patel became the vice-captain, see the whole team

Delhi's regular captain Rishabh Pant has been ruled out of the entire season after being involved in a car accident. In such a situation, David Warner has been made the captain of the team and Akshar Patel as the vice-captain. The Delhi Capitals team has announced its new captain for IPL 2023. David Warner has been given the command of the team for the upcoming season of the Indian Premier League. At the same time, Akshar Patel has been made the vice-captain. Delhi's regular captain Rishabh Pant has been ruled out of the entire season after being involved in a car accident. Pant is expected to return next season. Warner has previously captained Sunrisers Hyderabad in the IPL. He made the team champion in 2016. He joined the Delhi team in 2022. He was bought by the franchise in the mega auction for Rs 6.25 crore. Warner had a great performance in the season after that. He scored 432 runs in 12 matches at an average of 48. During this his strike rate was 150.52. Five half-centuries came out of Warner's bat. Delhi's first match will be from Lucknow - Warner was earlier a part of the Delhi franchise from 2009 to 2013 as well. Then the name of the team was Delhi Daredevils. On the other hand, talking about Akshar Patel, he was included in his team by Delhi in 2019. He is an important member of the franchise. He has performed impressively with the ball and the bat. The Delhi Capitals team will start their campaign in the upcoming season of IPL against Lucknow Supergiants in Lucknow on April 1. David Warner is struggling with bad form - Australia's team is on a tour of India for a series of four Tests and three ODIs. Test series is over. The Indian team named the series 2-1. Warner was able to play only in the first two matches of this series. Warner suffered an elbow injury during the second Test played in Delhi. After that he could not get down to bat in the second innings of the match. Matt Renshaw became Warner's concussion replacement in the second Test. Warner batted in the first innings and Renshaw in the second innings. Warner could not perform anything special in the first two Tests. He scored only 26 runs in three innings. He will return from the ODI series. At present, no player has been included in the Delhi team in place of injured Rishabh Pant. Pant is part of the Delhi team, but he will not play this season due to injury.

Delhi team

- David Warner (c), Axar Patel (vc), Prithvi Shaw, Manish Pandey, Philip Salt, Rylee Russo, Ripple Patel, Rovman Powell, Sarfaraz Khan, Yash Dhull, Mitchell Marsh, Lalit Yadav, Enrich Nortje, Chetan Sakaria, Kamlesh Nagerkoti , Khaleel Ahmed, Lungi Engidi, Mustafizur Rahman, Aman Khan, Kuldeep Yadav, Praveen Dubey, Vicky Ostwal, Ishant Sharma, Mukesh Kumar.

Kohli said on the decision to leave the captaincy – I did not believe in myself, my tank was empty

Virat Kohli told that the fuel inside him was over. He was troubled by the continuous defeat. After this he decided to relinquish the captaincy and the team's performance declined. Indian team's star batsman Virat Kohli has spoken openly about leaving thecaptaincy of RCB after the 2021 season. He met with members of the women's team of Royal Challengers Bangalore on Wednesday. During this he said that he had no faith and that his tank was completely empty. Only after this he decided to give up the captaincy. IPL 2019 was very bad for RCB. With six consecutive defeats, the team was at the bottom of the points table. Earlier in 2017 too, Kohli's team finished last, while in 2016, Kohli single-handedly took the team to the finals, where his team lost to Hyderabad. Kohli stepped down as RCB captain after the 2021 season and South African Faf du Plessis took over the reins of the team. After this, RCB's performance has been much better. Virat's team may not have won the title yet, but have been successful in reaching the playoffs. Kohli said during an interaction with the RCB women's team, "When my captaincy tenure was coming to an end here, I had no confidence, to be very honest my tank was absolutely empty. But that was my own view, so I was just a person saying I've seen too much, I can't do it anymore, I can't handle it anymore. But the next season new guys came in. They had new ideas, there was another opportunity. They were excited. Maybe as a person, I wasn't that excited. But he created energy and we got to the playoffs three years in a row." RCB's team made it to the IPL playoffs in 2020, 2021 and 2022. To this he said "Now we start every season with the enthusiasm that was there before and I feel excited now, which was not to that level. So it is a collective responsibility, if someone is feeling down, So others can boost his morale." Virat had relinquished the captaincy of India's T20 team after the 2021 T20 World Cup. Along with this, he also left the captaincy of RCB. Shortly afterwards he was stripped of the ODI captaincy and the very next month he relinquished command of the Test team. The 34-year-old Kohli said there were times in his career when he felt insecure and tried to protect his reputation. He said "... I constantly needed to be reminded from people, even from young players, because they have a fresh perspective. I was under pressure, because I've played for so long, I've been insecure, I've lost my confidence." Tried to perform according to reputation, like 'Oh' I am Virat Kohli, I have to perform well in every match. I can't afford to get out." "But these youngsters come and tell me, 'You Why didn't you hit the ball?' And it was like, 'She's right'. I couldn't even think about it because I was so caught up in myself and what I should do and how people were looking at me. I forgot how to play the game. I went." Kohli recently scored a brilliant 186 in the fourth and final Test against Australia, ending his three-year wait to complete his 28th Test century. Now he has 75 centuries in international cricket.

Sourav Ganguly returned to the important position of Delhi Capitals, Warner gave a big statement for Rishabh Pant

Delhi Capitals made several important announcements on Thursday. Delhi Capitals have appointed David Warner as the captain and Akshar Patel as the vice-captain for the upcoming IPL. The franchise also announced the appointment of Sourav Ganguly as the Director of Cricket. Ganguly was associated with Delhi Capitals in 2019 as a mentor. Commenting on his appointment, Sourav Ganguly said that he is very happy to return to Delhi Capitals and he has already got a feel for it by working with the franchise in SA20 and WPL. Ganguly said, 'I am happy to return with Delhi Capitals. It's been a great few months with the women's team and with the Pretoria Capitals. My focus is on the upcoming IPL season. Hope we will do better in future.

Pant will be missed - David Warner said after becoming the captain of Delhi Capitals, 'Rishabh Pant has been a great captain of the franchise. He will be missed by all of us. I would like to thank the team management for always reposing faith in me. This franchise has always been home for me. I am looking forward to leading some very talented players. I look forward to meeting everyone. Talking about the new appointments, Delhi Capitals Chairman Parth Jindal said, “There was no better contender than David Warner to lead Delhi Capitals in the absence of Rishabh Pant. With Warner, Ponting and Ganguly around, I have no doubt that there will be people paying attention to our team in the tournament.

Virat's message gave RCB first win, player of the match Kanika revealed

In the match against UP, Kanika gave her team the first win by playing a stormy cross of 46 runs in 30 balls. After the match, he revealed that talking to Virat Kohli helped him play the match-winning innings. In the Women's Premier League 2023, the RCB team has got its first win. Smriti Mandhana's team defeated UP by five wickets due to Kanika Ahuja's brilliant innings. This was RCB's first win in this tournament. This being the first season of the Women's Premier League, the RCB women's team tasted victory for the first time.Punjab's young all-rounder Kanika Ahuja played a brilliant inning of 46 runs in 30 balls. This is the highest score by any uncapped player in the Women's Premier League. Chasing 136 against UP Warriors, Kanika scored a quick run at a crucial juncture to take her team to victory. After losing five consecutive matches, the RCB team has achieved its first win. After this match, Kanika said that after talking to Indian men's team cricketer Virat Kohli, she got the inspiration to play this strong innings. Kanika, 20, said, "Virat sir told us that there is nothing like pressure here. It is all about happiness." Virat Kohli did not attend the optional practice session of the Indian team on Wednesday. He had reached out to the women's team of RCB. During this he met the entire team including Kanika. "He told us not to put pressure on ourselves when we step on the field. He said we are getting a chance to play here, it is a matter of happiness for us. Not everyone gets such opportunities," Kanika said. Kanika further added that she wants to be a 360-degree batsman like Suryakumar Yadav, capable of hitting big shots all around the ground. He said that during the match only one thing was going on in his mind that at any cost the team has to win the match. The target was small and she could take her time. He did the same and waited for the bad balls. Hit big shots on getting a bad ball and won the match for the team. He dedicated this innings to his mother, who inspired him to become a cricketer. Chasing 136 in the match against UP, RCB lost four wickets for 60 runs. After this, Kanika Ahuja shared a 60-run partnership with Richa Ghosh to win her team.

Taapsee became emotional after sharing her experience in Miss India contest, said- He used to insult her a lot

Bollywood's well-known actress Taapsee Pannu is often in headlines for her films. Fans love watching Taapsee's films. On the coming days, the actress is very much discussed on social media regarding her pictures and videos. Recently, Taapsee shared a few anecdotes from her past and how was her experience as a Miss India contestant. Taapsee garners a lot of popularity on social media for her statements more than her films. His films show his own nature in front of the audience. Not only this, Taapsee also likes to do offbeat films. She also experiments a lot with her character and likes to do films of the choice of the audience. Recently, in an interview, Taapsee shared her experience regarding the Miss India contest and how her parents reacted when she was participating in the contest. Taapsee said, 'This is about 2018, when I was a student. I convinced my parents to do this pageant on the condition that I keep getting good grades in school. I had absolutely no idea what was going on behind the beauty pageant.' Taapsee said – 'Don't ask the truth, I can't lie and I might not be able to tell the truth, but I will tell you what I can. Taapsee further revealed that she was surprised when she was selected for the Miss India contest. She was sure that when she reached the top 10, she would be thrown out of the competition. Only 28 girls were selected from all over the country and only two to three girls were selected from Delhi, one of whom was Taapsee. Taapsee further said, 'I ads, I remember all the others were professional models. I only did photoshoots. I never did television didn't walk the ramp, because all those shows used to happen at night, and my father didn't let me go. She was insulted in front of everyone during the Miss India trials. During their grooming period they were taught to walk and taught to smile. At that time Hemant Trivedi used to be his guide. Taapsee told that Hemant used to insult her a lot and used to say, 'If this competition were in my hands, you would never have reached the top 28.'

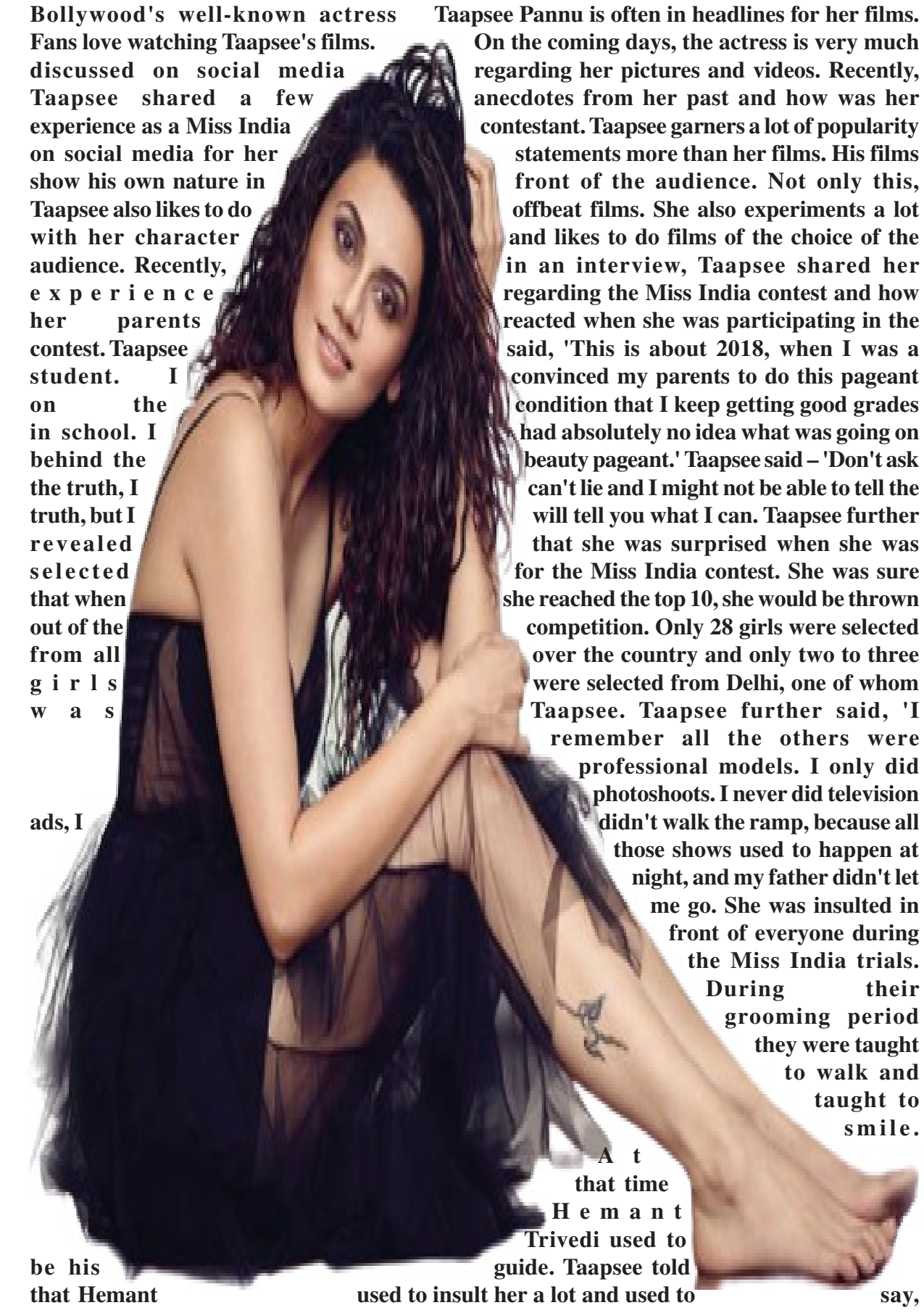

Mother used to clean toilet, she lost her hunger by eating lies, Comedian Bharti told her story

Comedian Bharti Singh, popularly known as Laughter Queen, may be a popular name in the entertainment industry today, but there was a time when she used to be very poor. There was a time when Bharti and her family used to feed on the lies given by the people. Comedian Bharti Singh, popularly known as Laughter Queen, may be a popular name in the entertainment industry today, but there was a time when she used to be very poor. She is living a luxurious life today and is also earning a lot of money. But sometime Bharti Singh and her family suffered a lot of poverty. See such days when mother used to clean toilets for a living and the family used to feed on people's lies. Bharti Singh had told once before that how much her childhood was spent in poverty. In this sequence, in the digital podcast show of actress Neena Gupta, Bharti once again became emotional after describing the pain of her poverty. Bharti recounts her childhood days when she was only 2 years old when her father died. Her

and sister also used to sew blankets in a blanket factory. Mother used to work from house to house. There was so much poverty at that time that when his mother used to bring leftover food from house to house, it was fresh food for him. Bharti Singh further says, 'You cannot even imagine the extent of poverty I have seen. If I used to see someone throwing away half an apple after eating it, I used to think that he would be cursed because he wasted the food. Sometimes I even thought of picking up and eating the half apple that was thrown away. When my mother worked in people's homes, I used to sit near the door. She used to clean the toilet. When we left, people would give us the leftover food. Today I tell my mother that whatever I have done and whatever I have earned is because of you. But Bharti Singh's luck changed with 'The Great Indian Laughter Challenge'. But before coming in this, he was given the first chance by Kapil Sharma and Sudesh Lahiri. Bharti Singh told that once in college when she was making people laugh in the garden area, Sudesh Lahiri saw her. Then he asked the teacher to call a fat girl who is making the students laugh. Just from there Bharti Singh got a chance. Bharti performed at the first National Youth Festival, for which she went to Andhra Pradesh with the team. Today Bharti Singh is not only a comedian but also a host and producer.

Rajpal Yadav never had the money to even buy an auto, know how he got success in his career from 'Jungle'

Bollywood veteran actor Rajpal Yadav is celebrating his birthday today i.e. on 16th March. Rajpal wins the hearts of people because of his brilliant comedy. Today there is no dearth of his fans. He was born on 16 March 1971 in Shahjahanpur district near Lucknow, Uttar Pradesh. He did his schooling from Shahjahanpur. After completing his studies, he joined a drama theatre. After this he moved to Lucknow in the year 1992 to take theater training. Here he took admission in Bharatendu Natya Academy. Rajpal took training here for two years and after that he stayed at the National School of Drama in Delhi from 1994 to 1997. After completing his 12th standard, he did an apprenticeship in tailoring at the Ordnance Cloth Factory, but dropped out of the job because of his desire to become an actor. Rajpal Yadav made his Bollywood debut with the 1999 film 'Dil Kya Kare'. was started. In the initial phase, he got small roles in films, but he got real recognition in the industry from the character of Villain. In the year 2000, he played the role of 'Sippa' in Ram Gopal Varma's film 'Jungle'. He gained a lot of fame with this character, after which the actor was awarded the Best Negative Role Award at Filmfare. After this film, Rajpal's career took a new flight. Actor in 'Company', 'Kum Kisi Se Kum Nahi', 'Hungama', 'Mujhse Shaadi Karogi', 'Main Meri Patni Aur Woh', 'Apna Sapna Money Money', 'Phir Hera Pheri', 'Chup Chupke' and 'Bhool' Appeared in superhit films like 'Bhulaiya'. In these films, he won the hearts of people with his excellent acting. Due to his brilliant acting, he won many big awards including Filmfare, but in the beginning of his career, he had to struggle a lot to make his mark in Bollywood. During an interview, Rajpal Yadav had told that there was a time in his life when he did not have money even to pay the bus fare, but his friends in the industry helped him a lot during that difficult time. He told that I think everyone should keep their doors open for others. How would I be who I am today if people didn't help me? My friends were with me in my tough times. I believed in him and knew that I needed all the support that I got. Recalling his difficult days in Mumbai, he said that when I came to Mumbai, it was an unknown city. Here one had to share an auto with others to go to Borivali. Then again, sometimes I didn't have the money for the auto. I used to go out in search of success taking my picture with me. He further said that when life seems difficult, the objective becomes easy. If life seems easy then the objective becomes difficult. Talking about Rajpal's personal life, he was first married to Karuna Yadav, a resident of Lakhimpur, but his wife died due to illness, after which the actor moved to Canada. Wali is married to Radha Yadav. Please tell that both of them met for the first time in Canada. After dating each other, both decided to get married and tied the knot in the year 2003.